आज का विचार

इंसान उम्र के हिसाब से, समझदार नहीं होता बल्कि जीवन में मिले दुख, दर्द और परिस्थिति की वजह से समझदार होता है..!

दैनिक

सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | मंगलवार, 14 अप्रैल, 2026 वर्ष 24, अंक 89, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

नोएडा में प्रदर्शन और हिंसा पर योगी सख्त, कहा– औद्योगिक अशांति फैलाने वालों से सावधान रहें श्रमिक

मुजफ्फरनगर में मुख्यमंत्री ने अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का किया अनावरणजिले में 951 करोड़ की 423 विकास परियोजनाओं का भी किया लोकार्पण व शिलान्यास

एजेंसी (हि.स.)

मुजफ्फरनगर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रगति के पद पर आगे बढ़ रहा है, लेकिन कुछ लोग इसके खिलाफ षड्यंत्र कर रहे हैं। नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर के श्रमिकों से अपील की कि वे औद्योगिक अशांति फैलाने वालों से सावधान रहें और उनके प्रयासों को किसी भी कीमत पर सफल न होने दें। डबल इंजन सरकार विकास व विरासत की यात्रा को मजबूती से आगे बढ़ा रही है, जिसमें श्रमिकों, किसानों, युवाओं और महिलाओं को केंद्र में रखा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को मुजफ्फरनगर में 951 करोड़ रुपये की 423 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करनेके बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि औद्योगिक विकास के साथ सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित रहेगी, ताकि प्रदेश में शांति, स्थिरता और समृद्धि का वातावरण बना रहे। सरकार एक ओर जहां आधुनिक तकनीक, रोजगार और निवेश को बढ़ावा दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा, सुशासन और सेवा का एक मजबूत मॉडल प्रस्तुत कर रही है। ऐसे में जब प्रदेश विकास और शांति की ओर अग्रसर है, कुछ लोग षड्यंत्र के तहत अशांति फैलाने की चेष्टा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सभी औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत कार्मिकों व श्रमिकों से अपील करते हुए कहा कि वे याद करें, कोरोना काल में सरकार किस तरह उनके साथ खड़ी रही। उस कठिन समय में सरकार ने श्रमिकों के लिए परिवहन, क्वारंटीन और भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की, उन्हें सुरक्षित घर तक पहुंचाया। औद्योगिक अशांति पैदा करने वाले लोगों से सावधान रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुकदेव की इस पावन धरा पर, भारत रत्न चौधरी चरण सिंह व चौधरी अजीत सिंह की कर्मभूमि पर लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण किया गया है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 350वीं जयंती गत वर्ष प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से पूरे देश में मनाई गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जगन्नाथ पुरी से लेकर सोमनाथ तक, काशी विश्वनाथ से लेकर रामेश्वरम तक भारत की गुलामी के उस कालखंड में, जब मुगल आक्रांताओं के कारण व्यवस्था जकड़ी हुई थी, तब भी लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर भारत की विरासत के संरक्षण के लिए पूरी तन्मयता से कार्य कर रही थीं। आज का काशी विश्वनाथ मंदिर उसी का उदाहरण है, जिसका पुनर्निर्माण लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने कराया था, जब औरंगजेब ने उसे ध्वस्त कर दिया था।

वेतन बढ़ाने को लेकर नोएडा में श्रमिकों का उपद्रव, कई वाहनों और फैक्टरियों में की तोड़फोड़ व आगजनी, कई हिरासत में

नोएडा। वेतन बढ़ोतरी सहित विभिन्न मांगों को लेकर नोएडा के कई इलाकों में धरना प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों का आंदोलन सोमवार को काफी उग्र और हिंसक हो गया। श्रमिकों ने दो दर्जन से ज्यादा वाहनों में तोड़फोड़ कर आगजनी की गई। कई फैक्टरियों में तोड़फोड़ की गई और पुलिस पर पथराव किया। पुलिस ने नियंत्रण करने के लिए बल का प्रयोग कर और आंसू गैस छोड़ी। पुलिस ने कार्रवाई कर दो दर्जन से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है। दरअसल, नोएडा के कई सेक्टरों में श्रमिक अपनी मांगों को लेकर कई दिन से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार को श्रमिकों ने उग्र होकर नोएडा के सेक्टर 63, सेक्टर 62, सेक्टर 15, फेस-दो औद्योगिक क्षेत्र, सूरजपुर,नॉलेज पार्क क्षेत्र, दादरी क्षेत्र, ईकोटेक- प्रथम क्षेत्र के औद्योगिक एरिया में मजदूरों ने धरना प्रदर्शन किया। उग्र श्रमिकों ने कई जगह पर जाम लगा दिया। कई जगह पुलिस और श्रमिकों के बीच तीखी नोंक झोंक हुई। कई जगह पुलिस को बल प्रयोग और आंसू गैस के इस्तेमाल भी करने पड़े हैं। श्रमिकों ने पुलिस पर पथराव किया है। श्रमिकों ने उग्र प्रदर्शन के दौरान दो दर्जन से ज्यादा वाहनों में तोड़फोड़ कर आगजनी की गई है। कई फैक्ट्रियों में भी तोड़फोड़ की गई है। कई पुलिस वाहन को भी क्षतिग्रस्त किया है।

फायरिंग में 14 मरने की खबर का पुलिस ने किया खंडन

सोशल मीडिया पर पुलिस की फायरिंग मे 14 लोगों की मौत और 32 घायल होने की खबर का पुलिस ने खंडन करते हुए कहा कि यह झूठी खबर है। पुलिस ने ट्विटर हैंडल पर यह खबर फैलाने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मान सरकार का ऐतिहासिक फैसला बेअदबी के लिए उम्र कैद की सजा

विधानसभा के विशेष सत्र में जागत जोत श्री गुरू ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल 2026 पास

यज्ञांश शर्मा

चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब विधानसभा ने श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी के सत्कार के लिए आज सर्वसम्मति से जागत जोत श्री गुरू ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल, 2026 पास कर दिया, जिससे गुरू साहिब की बेअदबी के लिए सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। इस निर्णायक कदम के तहत भगवंत मान सरकार ने बेअदबी के लिए उम्र कैद की सजा का प्रावधान किया है, जिससे बेअदबी से निपटने के लिए देश के सबसे सख्त कानूनों में से एक बनाया गया है।

इस कानून को पिछली सरकारों की नाकामियों में ऐतिहासिक सुधार करार देते हुए मुख्यमंत्री ने पुष्टि की कि नया कानून पिछली सरकारों की कमियों को दूर करने के साथ-साथ तेजी से जांच सुनिश्चित बनाता है, अपराधों को गैर-जमानती बनाता है और 5 साल से लेकर उम्र कैद तक सख्त सजाओं के साथ-साथ 20 लाख रुपए तक के जुमार्ने की व्यवस्था करता है, जबकि बेअदबी में सहायता करने वालों को भी बराबर जवाबदेह बनाता है।

पिछली सरकारों से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि जहां अकाली-भाजपा और कांग्रेस गुरू साहिब के नाम पर वोट मांगते थे, वहीं यह आप सरकार है, जिसने श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता को बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए हैं और यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी दोबारा ऐसे अपराध करने की हिम्मत न करे।

बहस में हिस्सा लेते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मैं इस अजीम सदन को भरोसा दिलाता हूं कि यह बिल भविष्य में बेअदबी के अंत को दर्शाता है क्योंकि यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी ऐसे घिनौने अपराध में शामिल होने की हिम्मत नहीं करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, पिछले समय में श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी की घिनौनी कार्रवाइयों राज्य में सख्त मेहनत से बनाई शांति, सद्भावना, भाईचारा और फिर्कू सद्भावना को भंग करने की गहरी साजिश थी। ऐसा अमानवीय और घिनौना कार्य मानवता के खिलाफ पाप था, जो मुट्ठी भर समाज विरोधी तत्वों द्वारा किया गया था, जो राज्य में शांति, सद्भावना, भाईचारा और सांप्रदायिक सद्भावना को भंग करने के लिए तैयार थे। यह कानून सुनिश्चित करेगा कि इस न माफ करने योग्य अपराध में दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और दूसरों के लिए मिसाल बनेगा।

पंजाबियों ने हमेशा राज्य में शांति और भाईचारे के सिद्धांतों को कायम रखा

उन्होंने आगे कहा, पंजाबियों ने हमेशा राज्य में शांति और भाईचारे के सिद्धांतों को कायम रखा है और कोई भी राज्य के गहरे सामाजिक ताने-बाने को कभी भी तबाह नहीं कर सकेगा। हर कीमत पर शांति और भाईचारिक साझा बनाए रखने का दृढ़ इरादा रखते हुए हमारी सरकार ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम कर देगी, जो राज्य की भाईचारक सांझ, तरक्की और खुशहाली के लिए खतरा पैदा कर सकती है। श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी हर सिख के पिता हैं और राज्य सरकार इस पवित्र ग्रंथ की सुरक्षा सुनिश्चित बनाने के लिए वचनबद्ध है। कानून की महत्ता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर श्री गुरू ग्रंथ साहिब पंजाब में सुरक्षित नहीं तो फिर और कहीं नहीं हो सकते। उन्होंने यह भी कहा कि यह ऐक्ट बेअदबियों को रोकने के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी विश्वव्यापी भाईचारे, धर्म निरपेक्षता और समाजवादी मूल्यों का खजाना हैं, जिनसे मानवता को दिशा मिलती है। श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी का संदेश और दर्शन मानवता को आपसी सद्भावना, एकता, शांति और दया-भावना का मार्ग दिखाता है, जो दुनिया भर में प्रासंगिक है। श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी के आध्यात्मिक महत्व को उजागर करते हुए उन्होंने कहा कि श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी हमारे रोजाना जीवन में प्रेरणा, मार्गदर्शन और शांति का सदीवि स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी ने हमें हमेशा धर्म और सच्चाई के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया है। श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी ने हमें कुबार्नी देने और दूसरों को माफ करना सिखाया है और हमारे अंदर प्यार, सहनशीलता और विश्वव्यापी भाईचारे के मूल्य पैदा की हैं। हममें से हर किसी ने श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी से प्रेरणा ली है, जो हमें नितनेम के साथ समानता, हक-सच्च, धर्म और इंसाफ के मार्ग पर चलने के लिए हमेशा प्रेरित करते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी दुनिया का एक अनोखा धार्मिक ग्रंथ है जिसमें न सिर्फ सिख गुरुओं की शिक्षाएं हैं, बल्कि हिंदू श्रद्धालुओं, मुस्लिम संतों और सूफी संतों के भजन भी समाए हुए हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम नए भारत की तस्वीर बेटियों के सपने होंगे साकार: नायब सिंह सैनी

भूपेंद्र शर्मा

चंडीगढ़

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नारी शक्ति वदंन अधिनियम नए भारत की तस्वीर है जहां पर देश की बेटियों के सपनों को साकार किया जाएगा। इस नारी शक्ति वंदन अधिनियम से देश की संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें निर्णय लेने की मुख्य धारा में लाता है। यह कानून महिलाओं को केवल भागीदारी नहीं नीति निर्माण में नेतृत्व की भूमिका देता है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम कार्यक्रम को देखा लाइव

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सोमवार को कला एवं सांस्कृतिक विभाग एवं जिला प्रशासन की तरफ से आयोजित 2 दिवसीय राज्य स्तरीय बैसाखी महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम कार्यक्रम को ऑन लाईन प्रणाली से सुन रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2015 में हरियाणा के पानीपत से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया। जिसके परिणामस्वरूप आज हरियाणा का लिंगानुपात 871 से सुधरकर 923 तक पहुँच गया है। जब नीति और नीयत सही हो तो समाज में भी सकारात्मक बदलाव आते हैं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि हमारी माताओं-बहनों के अटूट विश्वास का प्रतीक है। आज हरियाणा की बेटियां हर क्षेत्र में चाहे वह खेल हो, शिक्षा हो या रक्षा, तिरंगे का मान बढ़ा रही हैं। प्रधानमंत्री के नारी शक्ति वंदन के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश सरकार महिलाओं को सुरक्षित माहौल, बेहतर शिक्षा और समान अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। सुकन्या समृद्धि योजना की शुरूआत भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 22 जनवरी, 2015 को पानीपत की ऐतिहासिक धरा से की गई। इस स्कीम के तहत पूरे देश में 4 करोड़ 20 लाख सुकन्या समृद्धि खाते खोले गए। हरियाणा में भी 9 लाख 56 हजार खाते खोले गए हैं। रक्षा सेवाओं में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान किया गया। सैनिक स्कूलों में बेटियों के प्रवेश को मंजूरी दी गई है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए प्रदेश सरकार ने लखपति दीदी, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जैसी अनेक योजनाएं लागू की हैं। देश की 10 करोड़ महिलाओं को 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों में संगठित किया गया है। हरियाणा में 6 लाख 30 हजार महिलाओं को 63 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है। प्रदेश सरकार ने बहनों-बेटियों को आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की है। इस योजना के तहत 2100 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। अब तक 9 लाख 68 हजार बहन-बेटियों को 1 हजार 38 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं।

भ्रष्टाचार पर लगाएंगे रोक, कल्याणकारी योजनाओं पर लगेगा धन: अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता/रानीगंज

अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान बड़ा दावा करते हुए कहा कि यदि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है तो भ्रष्टाचार पर रोक लगाकर जो धन बचाया जाएगा, उसी का उपयोग जनता के कल्याण के लिए किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए घोषित मासिक सहायता योजना को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब दिया। पश्चिम बर्धमान जिले के रानीगंज में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पार्टी के संकल्प पत्र में

महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को 3,000 रुपये मासिक सहायता देने का वादा किया गया है। इस पर ममता बनर्जी द्वारा उठाए गए वित्तीय स्रोत के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाकर जो धन वसूला जाएगा, वही इन योजनाओं पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार के दौरान सिंडिकेट राज चल रहा है और मवेशी तस्करी, कोयला व बालू खनन, शिक्षक भर्ती, राशन वितरण और नगर निकायों में नियुक्तियों में व्यापक भ्रष्टाचार हुआ है। शाह ने कहा कि इन सभी मामलों की जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी चुनाव के दोनों चरणों 23 अप्रैल और 29 अप्रैल में ऐसी पुख्ता व्यवस्था होगी कि किसी भी मतदाता को डराने-धमकाने की हिम्मत नहीं होगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल से जुड़े गुंडे मतदान के दिन घरों में ही रहें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। दिन में बोलपुर और खैरासोल में रैलियों के बाद यह शाह की तीसरी सभा थी। उन्होंने दावा किया कि पार्टी पश्चिम बर्धमान जिले की सभी सीटों पर जीत हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रही है और चार मई को मतगणना के बाद राज्य में सरकार बनाएगी। बंगाल में नहीं बनने देंगे बाबरी मस्जिदहालिया राजनीतिक विवादों पर टिप्पणी करते हुए शाह ने पूर्व विधायक हुमायूं कबीर को लेकर तृणमूल कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया। कबीर को अलग इकाई मानना गलत है और वह सत्तारूढ़ दल से ही जुड़े हुए हैं।

तमिलनाडु में डबल इंजन सरकार से विकास को मिलेगी नई रफ्तार: नरेन्द्र मोदी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु में भाजपा-नीत राजग को जनता बदलाव की उम्मीद के साथ देख रही है और कार्यकर्ताओं की मेहनत से एक सकारात्मक माहौल तैयार हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि तमिलनाडु में डबल इंजन सरकार बनती है, तो विकास कार्यों की रफ्तार और तेज हो जाएगी।

प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु भाजपा के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ वर्चुअल माध्यम से मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद झ तमिलनाडु कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे छोटे-छोटे समूह में बैठकें आयोजित करें और अपने अनुभव साझा करें। उन्होंने विशेष रूप से युवा मतदाताओं तक पहुंच बनाने पर जोर देते हुए कहा कि उन्हें बताना चाहिए कि सत्ता में न होने के बावजूद राजग ने राज्य के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

किसानों के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचाने के लिए बिचौलियों की भूमिका समाप्त की गई है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत तमिलनाडु के किसानों को हजारों करोड़ रुपये सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए हैं। इसके अलावा फसल बीमा योजना के अंतर्गत भी किसानों के दावों का बड़े पैमाने पर निपटान किया गया है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में तमिलनाडु में 11 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं और मेडिकल सीटों की संख्या दोगुनी हो गई है। उन्होंने इसे मध्यम वर्ग के सपनों को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। साथ ही रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग और हवाई अड्डों से जुड़े कई बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर तेजी से काम होने का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे उन लोगों की पहचान करें जो अभी भी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हैं और उन्हें जागरूक करें।

किसान अब अन्नदाता नहीं, ऊर्जा दाता–ईंधन दाता और हाइड्रोजन दाता भी बनेगा: गडकरी

एजेंसी (हि.स.)

भोपाल

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि किसान केवल अन्नदाता नहीं रहेगा, बल्कि ऊर्जा दाता, ईंधन दाता, हवाई ईंधन दाता, डामर दाता और हाइड्रोजन दाता भी बनेगा। कृषि अवशेष, पराली, बायोमास, इथेनॉल, सीएनजी और हाइड्रोजन के माध्यम से किसानों के लिए आय के नए रास्ते खुलेंगे, आयात घटेगा और गांवों की अर्थव्यवस्था को नई ताकत मिलेगी। केन्द्रीय मंत्री गडकरी सोमवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कृषि मेले उन्नत कृषि महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा रखी गई क्षेत्रीय मांगों पर महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए विकास की नई सौगात दी। उन्होंने रायसेन रिंग रोड/पूर्वी बायपास के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने, संबंधित डीपीआर तैयार करने, भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया राज्य सरकार द्वारा बढ़ाए जाने और पुलों के सौंदर्यीकरण संबंधी मांगों पर सकारात्मक सहमति व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य सड़क संबंधी प्रस्तावों पर भी जो संभव सहयोग होगा, वह किया जाएगा।

केन्द्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा रायसेन में आयोजित इस उन्नत कृषि मेले का सोमवार को हजारों किसानों की उपस्थिति के बीच भव्य समापन हुआ। समापन सत्र में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने जहां सड़क विकास, कृषि तकनीक, जल संरक्षण, वैकल्पिक ऊर्जा और ग्रामीण समृद्धि का व्यापक विजन रखा, वहीं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बीज से बाजार तक तैयार रोडमैप को जमीन पर उतारने का दृढ़ संकल्प दोहराया। गडकरी ने कहा कि वे इस कार्यक्रम में मंत्री के रूप में नहीं, बल्कि किसान के रूप में आए हैं। उन्होंने कहा कि खेती का भविष्य अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वेदर स्टेशन, सैटेलाइट आधारित सूचना, ड्रोन, नैनो यूरिया और आधुनिक कृषि तकनीकों से जुड़ चुका है, इसलिए किसानों को समय के साथ बदलना होगा। उन्होंने कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति है और ज्ञान को संपत्ति में बदलना आज कृषि क्षेत्र की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने किसानों से इनोवेशन, रिसर्च, सफल प्रयोगों और तकनीक-आधारित खेती को अपनाने का आान किया, ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन संभव हो सके।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने जल संरक्षण पर विशेष बल देते हुए कहा कि दौड़ते हुए पानी को चलने के लिए, चलने वाले पानी को रुकने के लिए और रुके हुए पानी को जमीन को पिलाने के लिए लगाना होगा। उन्होंने गांव का पानी गांव में, खेत का पानी खेत में, घर का पानी घर में का संदेश देते हुए कहा कि जैसे पैसा बैंक में जमा किया जाता है, वैसे ही पानी को जमीन में डिपॉजिट करना होगा। जहां सिंचाई का पानी सीधे नहीं पहुंच सकता, वहां जल संरक्षण की संरचनाएं बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने डेयरी, मत्स्य पालन और ब्लू इकोनॉमी को किसानों की आय बढ़ाने के बड़े माध्यम बताते हुए कहा कि दुग्ध उत्पादन, मत्स्य उत्पादन और उससे जुड़ी गतिविधियों पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। केवल उत्पादन बढ़ाना काफी नहीं है, बल्कि प्रोसेसिंग प्लांट, कोल्ड स्टोरेज, प्री-कूलिंग सिस्टम और वैल्यू एडिशन की मजबूत व्यवस्था भी बनानी होगी।

केन्द्रीय मंत्री ने किसानों से आग्रह किया कि वे मेले में लगे स्टॉल, मशीनरी प्रदर्शन, पॉलीहाउस, ग्रीनहाउस, हाइड्रोपोनिक्स, एक एकड़ खेती के मॉडल, बकरी पालन, मछली पालन और अन्य तकनीकी सत्रों को देखकर जाएं, सीखकर जाएं और उसे खेत में लागू करें। यही ज्ञान, यही तकनीक और यही प्रयोग किसानों का भविष्य बदलेंगे, गांवों को समृद्ध बनाएंगे और स्मार्ट सिटी के साथ स्मार्ट विलेज की दिशा को मजबूत करेंगे।

यह समापन नहीं, बल्कि नई शुरूआत है: शिवराज

कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उन्नत कृषि महोत्सव कोई कर्मकांड नहीं है। यह समापन नहीं, बल्कि नई शुरूआत है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने किसानों के लिए पाठशाला का काम किया, जहां मिट्टी की महक, मशीन की शक्ति, नवाचार, तकनीक और विकास का अद्भुत संगम देखने को मिला। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की माटी, जलवायु, जल उपलब्धता और संसाधनों के आधार पर बीज से बाजार तक का विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया है। इस रोडमैप में यह तय किया गया है कि इस क्षेत्र में कौन-कौन सी फसलें, फल और सब्जियाँ अच्छी हो सकती हैं और उनके उत्पादन, प्रोसेसिंग तथा मार्केटिंग की संपूर्ण योजना कैसे बनेगी। उन्होंने कहा कि अच्छे बीज की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हर ब्लॉक में बीज ग्राम बनाए जाएंगे, दलहन और बागवानी क्षेत्र का विस्तार किया जाएगा और इस क्षेत्र को हॉर्टिकल्चर हब के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ड्रिप और स्प्रिंकलर के माध्यम से पानी की एक-एक बूंद का उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा तथा कस्टम हायरिंग सेंटर और पंचायतों में मशीन बैंक बनाए जाएंगे, ताकि किसानों को आधुनिक मशीनें आसानी से मिल सकें। अच्छी नर्सरी और क्लीन प्लांट सेंटर स्थापित किए जाएंगे, एफपीओ को मजबूत किया जाएगा, बैक हाउस और कोल्ड हाउस बनाए जाएंगे और किसानों को उत्पादन से बाजार तक बेहतर ढांचा उपलब्ध कराया जाएगा। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस पूरे रोडमैप की मॉनिटरिंग के लिए टास्क फोर्स बनाई जाएगी तथा राष्ट्रीय स्तर की संचालन समिति गठित की जाएगी। केंद्र और राज्य सरकार की टीमें मिलकर यह सुनिश्चित करेंगी कि जो संकल्प लिए गए हैं, वे केवल घोषणा बनकर न रह जाएँ, बल्कि पूरी ताकत के साथ जमीन पर उतरें। उन्होंने किसानों से फार्मर आईडी बनवाने की अपील करते हुए कहा कि भविष्य में खेती से जुड़ी अनेक सेवाएं, योजनाएं और प्रक्रियाएं इससे आसान होंगी। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी जिंदगी बदलने, उनके चेहरे पर मुस्कान लाने और खेती को लाभ का धंधा बनाने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने 'मातृवंदना' पत्रिका के विशेषांक का किया विमोचन

कहा , मातृवंदना जैसी पत्रिकाएं समाज में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रधर्म की भावना को मजबूत करती हैं

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने सोमवार को शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थिएटर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पत्रिका ह्लमातृवंदनाह्व के विशेषांक का विमोचन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मातृवंदना जैसी पत्रिकाएं समाज में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रधर्म की भावना को मजबूत करने का काम करती हैं और नागरिकों में जिम्मेदारी का भाव जगाती हैं।

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने कहा कि मातृवंदना कई वर्षों से लगातार प्रकाशित हो रही है और समाज में राष्ट्रीय चेतना को बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पत्रिकाएं लोगों को देश के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करती हैं और समाज को सकारात्मक दिशा देती हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि देश में लगभग 50 प्रतिशत मतदाता महिलाएं हैं और उन्हें केवल मतदाता के रूप में नहीं बल्कि नीति निर्धारक के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर मिलना चाहिए। उनका कहना था कि इस अधिनियम का उद्देश्य महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना है ताकि वे निर्णय प्रक्रिया में सशक्त तरीके से शामिल हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय परंपरा में महिलाओं को हमेशा उच्च स्थान दिया गया है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण से पहले राधा का नाम लिया जाता है और विवाह के निमंत्रण पत्रों में भी महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती है। राज्यपाल ने कहा कि इस अधिनियम की सफलता अंततः मतदाताओं पर निर्भर करती है, क्योंकि लोकतंत्र में सबसे बड़ी भूमिका जनता की होती है। इसके बाद राजनीतिक दलों और सामाजिक संस्थाओं की जिम्मेदारी आती है। इस दौरान मंडी जिले के सरकाघाट में 19 वर्षीय युवती की हत्या की घटना पर भी राज्यपाल ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश एक शांतिप्रिय राज्य माना जाता है और ऐसी घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हिमाचल और तिब्बती समुदाय के बीच हमेशा रहे गहरे और सौहार्दपूर्ण संबंध : राज्यपाल कविंद्र गुप्ता

शिमला। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश और तिब्बती समुदाय के बीच हमेशा से गहरे और सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि धर्मशाला में परम पावन दलाई लामा की उपस्थिति ने हिमाचल प्रदेश को वैश्विक स्तर पर एक विशेष पहचान दिलाई है और उनकी शिक्षाएं पूरी दुनिया के लोगों को नैतिक दिशा प्रदान करती हैं। राज्यपाल सोमवार को शिमला स्थित लोक भवन में केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के मुख्य प्रतिनिधि ल्हाकपा त्सेरिंग के नेतृत्व में आए तिब्बती प्रतिनिधिमंडल से भेंट के दौरान यह बात कह रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दलाई लामा का जीवन करुणा, अहिंसा, शांति और सार्वभौमिक मानव कल्याण का जीवंत उदाहरण है। उनकी शिक्षाएं केवल तिब्बती समुदाय ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने हिमाचल प्रदेश के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में तिब्बती समुदाय के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य में तिब्बती भाइयों और बहनों ने विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक भूमिका निभाई है, जिससे प्रदेश की समृद्धि और सामाजिक सौहार्द को मजबूती मिली है। इस दौरान तिब्बती प्रतिनिधिमंडल की ओर से ल्हाकपा त्सेरिंग ने राज्यपाल को सम्मानित भी किया। मुलाकात के समय लोक भवन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जयराम ठाकुर ने परिवार से मिलकर जांच और कड़ी सजा की मांग की

- कहा, इवेंटबाजी की बजाय प्रभावी कार्रवाई को प्रोत्साहित करे

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने नेरचौक मेडिकल कालेज में बिटिया सिया के पिता व परिजनों से मुलाकात कर संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि बिटिया के पिता चिंतित थे कि इस प्रकार की घटनाएं किसी और के साथ न हो। उन्होंने कहा कि आज कहने के लिए शब्द नहीं हैं, संवेदनाएं जाहिर करने की भी हिम्मत नहीं है, बिटिया के पिता जी से नजरें मिलाने का भी साहस नहीं हो रहा था।

उन्होंने कहा कि घर से हंसते खेलते सुबह कॉलेज के लिए निकली बेटी के साथ यदि ऐसा कुछ हो जाए तो उस पिता और परिजनों पर क्या बीतेगी। यह शब्दों में बयान नहीं हो सकता है। हम परिवार के साथ हैं, बिटिया के न्याय के लिए जी जान से लड़ेंगे, जितने भी लोग इसमें शामिल होंगे, सबको कानून का सामना करना पड़ेगा। जयराम ने कहा कि इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि उस नशेड़ी व्यक्ति का किसी ने इस्तेमाल तो नहीं किया है। इसके पीछे कहीं कोई और लोग तो नहीं है। जयराम ठाकुर ने कहा कि अभी तक जितनी बातें पता चली हैं, उससे एक बात साफ है कि हत्यारा नशे का आदी था।

सरकार द्वारा नशे के खिलाफ जो लड़ाई लड़ी जा रही है, उसमें गंभीरता कम और दिखावा ज्यादा है। इसी कारण प्रदेश के कोने-कोने में नशा फैल रहा है। हाल ही में प्रदेश में ऐसे निर्मम हत्याकांड हुए हैं, जिनमें हत्यारे नशे के आदी पाए गए हैं। प्रदेश में पहले जो नशा बॉर्डर एरिया तक सीमित था, आज वह प्रदेश के कोने-कोने में फैल रहा है, लेकिन सरकार सिर्फ इवेंटबाजी कर रही है। नशे के खिलाफ हमारी लड़ाई को और अधिक गंभीरता तथा सख्ती से लड़ने की आवश्यकता है। इसके लिए कानून में जो भी बदलाव करने हों, भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से सरकार के साथ है।

लेकिन सरकार नशे के खिलाफ लड़ाई में गंभीरता लाए और इवेंटबाजी की बजाय प्रभावी कार्रवाई को प्रोत्साहित करे। प्रदेश में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां नशे से जुड़े लोगों की संलिप्तता की खबरें आईं, लेकिन सरकार द्वारा कार्रवाई के नाम पर लीपापोती की गई। उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की है कि मामले की जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

शोभा यात्रा के साथ कालेश्वर बैसाखी मेले का आगाज, विधायक संजय रत्न ने किया शुभारंभ

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

शोभायात्रा और कालेश्वर महादेव मंदिर में पूजा अर्चना के साथ तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कालेश्वर बैसाखी मेले का सोमवार को आगाज हुआ। विधायक ज्वालामुखी संजय रत्न ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए मेले का शुभारंभ किया। इस मौके पर कांग्रेस नेता व हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी महासचिव सुरेंद्र सिंह मनकोटिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने पंजतीर्थी से कालेश्वर महादेव मंदिर तक निकाली गई शोभा यात्रा में भाग लिया और ऐतिहासिक शिव मंदिर में पूजा अर्चना की। संजय रत्न ने प्रदेश वासियों को बैसाखी पर्व की शुभकामनाएं दी और कहा कि आज पूरे भारतवर्ष में बैसाखी का महापर्व धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कालेश्वर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय बैसाखी मेले का अपना ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। इस मंदिर और यहाँ पे स्नान की महत्ता हरिद्वार के सम्मान है। उन्होंने कहा कि बैसाखी का त्यौहार हमारा पारम्परिक पर्व है जिसे कालेश्वर महादेव मंदिर में राज्य स्तरीय मेले के रूप में मनाया जाता है।

जम्मू-कश्मीर से इस साल 4,700 तीर्थयात्री हज के लिए जायेंगे, 18 मई से शुरू होंगी उड़ानें

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर से कुल 4,704 तीर्थयात्री इस साल हज के लिए प्रस्थान करेंगे। इनमें लद्दाख के 323 सहित 3,990 तीर्थयात्री श्रीनगर से जायेंगे, जबकि लगभग 1,000 तीर्थयात्री दिल्ली से जायेंगे और 50 मुंबई के रास्ते यात्रा करेंगे। हज समिति के कार्यकारी अधिकारी डॉ. शुजात अहमद ने कहा कि श्रीनगर से हज उड़ाने 18 मई को शुरू होने वाली हैं और लगभग 10-15 दिनों तक जारी रहेंगी। अंतिम प्रस्थान 28 मई के आसपास होने की उम्मीद है। अहमद ने कहा कि इस साल सऊदी अरब के नए नियमों में सख्त स्वास्थ्य जांच शामिल है, जिसके तहत गंभीर चिकित्सा स्थितियों वाले कुछ आवेदकों को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि अजीज़िया जैसी जगहों पर तीर्थयात्रियों के लिए स्वयं खाना पकाने की सुविधा बंद कर दी गई है। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों को निगरानी उद्देश्यों के लिए पहले के रिस्टबैंड की जगह सिम-आधारित डेटा से लैस स्मार्टवॉच प्रदान की जाएंगी। श्रीनगर हवाई अड्डे पर चल रहे रखरखाव के कारण उड़ान क्षमता कम हो गई है, जिसके कारण दिल्ली में पुनर्निर्धारण और ईंधन भरने के लिए रुकना अनिवार्य हो गया है।

भाजपा पूरे उत्साह के साथ मनाएगी डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती : राकेश ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

भारतीय जनता पार्टी 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की जयंती को पूरे उत्साह के साथ मनाएगी। जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने सोमवार को एक प्रेस बयान में कहा कि 14 अप्रैल भारत के संविधान के शिल्पकार और समान अधिकारों के प्रखर समर्थक डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती का दिन है। वर्ष 2026 में राष्ट्र उनकी 135वीं जयंती मना रहा है, जो शिक्षा तक समान पहुंच, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और प्रत्येक नागरिक के लिए आजीविका समानता सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। राकेश ठाकुर ने जानकारी दी कि 14 से 19 अप्रैल तक जिला के प्रत्येक मंडल स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 19 अप्रैल को जिला स्तर पर टौणी देवी मंदिर परिसर में संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पार्टी कार्यकर्ता डॉ. आंबेडकर के आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान को स्मरण करेंगे। राकेश ठाकुर ने कहा कि डॉ. आंबेडकर जैसे महान व्यक्तित्व को तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व द्वारा बार-बार नजरअंदाज किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय के प्रमुख नेता जवाहरलाल नेहरू आंबेडकर की बढ़ती लोकप्रियता से असहज थे, जिसके चलते उन्हें उचित सम्मान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी डॉ. आंबेडकर के नाम की सिफारिश भारत रत्न के लिए नहीं की और वर्ष 1952 के आम चुनाव में उनकी हार सुनिश्चित करने का भी प्रयास किया गया। वहीं भाजपा हमीरपुर जिला की उपाध्यक्ष राज कुमारी ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नारी वंदन अधिनियम पर संसद में विशेष चर्चा बुलाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम देश की मातृशक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जो महिलाओं को राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का मार्ग प्रशस्त करता है। राज कुमारी ठाकुर ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी इसी उपलक्ष्य में 16 अप्रैल को आवाहदेवी मंदिर प्रांगण में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करेगी, जिसमें नारी वंदन-अभिनंदन अधिनियम के महत्व पर विस्तार से चर्चा की जाएगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

रामसू लापता युवक मामला: विरोध प्रदर्शन ने एनएच-44 को बाधित किया, एसआईटी जांच जारी, 4 गिरफ्तार

बनिहाल। रामबन जिले के रामसू इलाके में सोमवार को तनाव का माहौल बना रहा, जब पोचल का 25 वर्षीय युवक तनवीर अहमद चोपन रविवार शाम कथित तौर पर संदिग्ध बदमाशों से बचने की कोशिश करते हुए नाला बिशलारी में कूदने के बाद लापता हो गया। इस घटना से व्यापक आक्रोश फैल गया और स्थानीय लोगों ने मेकरकूट में बीडीओ कार्यालय के पास जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर विरोध प्रदर्शन किया। सोमवार सुबह से ही पुरुष और महिलाएं धरने में शामिल हो गए जिससे एक घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा और व्यस्त राजमार्ग पर काफी व्यवधान उत्पन्न हुआ। पुलिस ने रामसू पुलिस स्टेशन में मामला एफआईआर संख्या 26/2026 दर्ज किया है और घटना के संबंध में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान सुरजीत सिंह, संदीप सिंह, दिग्विजय सिंह और केवल सिंह के रूप में की गई है - दो सेरी रामबन के निवासी और दो रामबन शहर के रहने वाले हैं। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी फिलहाल बनिहाल पुलिस स्टेशन में बंद हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार चोपन जम्मू से मुंडसाल, पोगल स्थित अपने घर जा रहा था तभी मेकरकूट के पास गोरकख होने के संदेह में एक समूह ने कथित तौर पर उनका पीछा किया और उस पर हमला किया। भागने की कोशिश में वह कथित तौर पर मेकरकूट के सुरंग नंबर 5 के पास नाला बिशलारी में कूद गया और तब से उसका कोई पता नहीं चल पाया है।

किश्तवाड़ में मचैल माता यात्रा के लिए तैयारियां पूरी

जम्मू। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवार में 14 अप्रैल से शुरू होने वाली वार्षिक मचैल माता यात्रा के लिए आरएफआईडी कार्ड, नए पुल और निर्बाध बिजली आपूर्ति सहित सभी तैयारियां अंतिम रूप दे दी गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि किश्तवाड़ के उपायुक्त पंकज कुमार शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नरेश सिंह ने पद्दर के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान तैयारियों की समीक्षा की जिसमें गुलाबगढ़ स्थित बेस कैंप में बैठक और मचैल में आयोजित जनसभा शामिल थी। पिछले वर्ष 14 अगस्त को मचैल माता मंदिर के प्रवेश द्वार चिशोती गांव में भीषण बादल फटने से 63 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें ज्यादातर श्रद्धालु थे और लगभग 30 लोग लापता हो गए थे। बाढ़ में एक पुल बह गया और कई अन्य संरचनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं जिससे संपर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ और क्षेत्र का बुनियादी ढांचा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि उपायुक्त ने चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जिसमें सड़क संपर्क, पुल निर्माण और बुनियादी सुविधाओं के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया। शर्मा ने संबंधित विभागों को तीर्थयात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए पेयजल, बिजली आपूर्ति, स्वच्छता सुविधाएं और स्वास्थ्य सेवाएं सहित पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

कठुआ में भगवान श्री परशुराम जन्म पर कलश यात्रा के साथ शुरू हुई श्रीमद् भागवत कथा

कठुआ। श्री ब्राह्मण सभा कठुआ में भगवान श्री परशुराम जन्म महोत्सव का भव्य शुभारंभ धूमधाम और श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भव्य कलश यात्रा से हुई, जो बैंड-बाजों और धार्मिक जयकारों के बीच निकाली गई। कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाएं सिर पर कलश लेकर कठुआ की प्राचीन बावलिया तक पहुंचीं, जहां से जल भरकर पुनः श्री ब्राह्मण सभा परिसर लौटीं। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। कलश यात्रा के उपरांत श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का विधिवत शुभारंभ हुआ। इसके साथ ही भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव पर्व की शुरूआत भी हो गई। कथा के दौरान श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रवचनों का लाभ मिलेगा। श्री ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष सुरेंद्र मेहता ने जानकारी देते हुए बताया कि सात दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन श्री ब्राह्मण सभा परिसर में गंगाधर शास्त्री जी महाराज और कुलदीप शास्त्री जी (अखनूर वाले) द्वारा प्रवचन किए जाएंगे, जो संगत को धर्म और भक्ति के मार्ग पर प्रेरित करेंगे। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रीमद् भागवत कथा और भगवद गीता के उपदेशों का श्रवण करें और इस पुण्य अवसर का लाभ उठाएं। कार्यक्रम का समापन 19 अप्रैल को होगा, जिसके उपरांत एक भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इसी के साथ सात दिवसीय भगवान श्री परशुराम जन्म महोत्सव का समापन किया जाएगा।

चिट्टा बरामदगी मामले में सप्लायर तक पहुंची शिमला पुलिस, चंडीगढ़ से गिरफ्तारी

शिमला। शिमला पुलिस ने रोहड़ू क्षेत्र में चिट्टा तस्करी के एक मामले में बैकवर्ड लिंकेज स्थापित करते हुए मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के सरगनाअमित गुप्ता (30 वर्ष), निवासी सरायं दनोली, जिला बाराबांकी (लखनऊ) को 11 अप्रैल को चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद 14 अप्रैल तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने सोमवार को ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मामले में पुलिस हर पहलू से जांच आगे बढ़ा रही है। मामले के अनुसार यह कार्रवाई 15 मार्च को रोहड़ू क्षेत्र में पकड़े गए एक युवक से 9.17 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद होने के बाद शुरू हुई जांच का हिस्सा है। उस दिन पुलिस थाना रोहड़ू की टीम अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान एक व्यक्ति संदिग्ध हालत में मिला। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 9.17 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान सार्थक (29 वर्ष), पुत्र संदीप सूद, निवासी गांव समाला, डाकघर व तहसील रोहड़ू, जिला शिमला के रूप में हुई।

मंडी के सरकाघाट में कालेज छात्रा की निर्मम हत्या

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला के सरकाघाट उपमंडल के गोपालपुर इलाका में सोमवार सुबह कालेज की छात्रा की निर्मम हत्या से सनसनी का आलम है। दो अज्ञात बाइक सवारों ने तेजधार हथियार से कालेज जा रही 19 वर्षीय कालेज छात्रा की तेजधार हथियार दराट से छात्रा का सर धड़ से अलग कर दिया। इस वारदात से इलाके में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह गोपालपुर इलाका के नैन गांव की युवती सरकाघाट कॉलेज जा रही थी, तो गोपालपुर पंचायत मुख्यालय के सपीप अज्ञात बाइक सवार युवकों नें तेजधार हथियार से युवती की गर्दन पर वार कर दिया। जिससे युवती की गर्दन धड़ से अलग हो गई। जिससे युवती सड़क पर ही धड़ाम से गिर गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस थाना सरकाघाट से पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, आरोपी की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है।

पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। इलाके में दहशत का माहौल है और लोग इस घटना से स्तब्ध हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। हमलावर युवकों की धर पकड़ के लिए इलाके की नाकाबंदी कर तलाश शुरू कर दी है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही एसपी मंडी विनोद कुमार भी घटना स्थल के लिए रवाना हो गए हैं। युवती की मौत से सारे इलाके के आक्रोश फैल गया है। मौके पर आस-पास के गांवों के लोगो का हजूम उमड़ पड़ा है। सरकाघाट पुलिस मौके पर मुस्तैद है और स्थिति को संभालने में जुटी हुई है।

बी.एड. छात्रों ने किया सीएसआईआर-आईआईआईएम जम्मू का शैक्षणिक दौरा

जम्मू। जम्मू में बी.एड. सेमेस्टर-2 के विज्ञान वर्ग के छात्रों ने अपने सत्रीय कार्य के तहत सीएसआईआर-भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान का शैक्षणिक दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार से परिचित कराना था। इस कार्यक्रम का आयोजन भौतिक विज्ञान विभाग की प्रमुख प्रो. सुनंदा रानी और रिसर्च एंड डेवलपमेंट की संयोजक डॉ. सुषमा बाला के मार्गदर्शन में किया गया। संस्थान पहुंचने पर छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और डॉ. अदील ने पूरे दौरे के दौरान उन्हें विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं और सुविधाओं का विस्तृत परिचय दिया। दौरे की शुरूआत जनकी अम्मल हर्बेरियम से हुई जहां डॉ. किरण कौल ने पौधों के वर्गीकरण, संरक्षण तकनीकों और जैव विविधता में हर्बेरियम की भूमिका पर प्रकाश डाला।

हिमाचल दिवस पर मंडी के सेरी मंच पर ध्वजारोहण करेंगे लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह हिमाचल दिवस के अवसर पर मंडी में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह की अध्यक्षता करेंगे। 15 अप्रैल को ऐतिहासिक सेरी मंच मंडी में आयोजित इस समारोह में लोक निर्माण मंत्री सुबह 11.00 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड का निरीक्षण करेंगे और भव्य मार्चपास्ट की सलामी लेंगे तथा अपना संदेश देंगे। लोक निर्माण मंत्री इससे पहले इंदिरा मार्केट परिसर स्थित संकन गार्डन में शहीद स्मारक तथा गांधी चौक में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। हिमाचल दिवस के इस समारोह में देशभक्ति और प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की झलक भी देखने को मिलेगी।

उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन ने बताया कि समारोह में पुलिस, गृह रक्षक, एनसीसी, स्काउट एंड गाइड तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया जाएगा। परेड के माध्यम से अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और युवा शक्ति का प्रभावी प्रदर्शन किया जाएगा। समारोह में स्थानीय स्कूलों व विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों द्वारा लोक संस्कृति और देशभक्ति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे, वहीं लघु नाटिका के माध्यम से जनस्वास्थ्य के प्रति जागरूकता संबंधी संदेश दिया जाएगा। प्रवास कार्यक्रम के अनुसार लोक निर्माण एवं शहरी आवास मंत्री 14 अप्रैल को सायंकाल मंडी पहुंचेंगे। उनका रात्रि ठहराव परिधि गृह मंडी में होगा। 15 अप्रैल को जिला स्तरीय हिमाचल दिवस समारोह के उपरांत वे शिमला के लिए प्रस्थान करेंगे।

बेनामी संपत्तियों की हो जांच, दिल्ली और दुबई से जुड़े तारों की पड़ताल जरूरी: राजेंद्र राणा

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने वर्तमान कांग्रेस सरकार पर जमीन के बेनामी सौदों को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के संरक्षण में बेनामी सौदे हो रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में बेनामी संपत्तियों की जांच की मांग उठाई है।

सोमवार को धर्मशाला में प्रेसवार्ता में भाजपा नेता राजेंद्र राणा ने आरोप लगाया कि इन बेनामी संपत्तियों के तार दिल्ली और दुबई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के मित्रों की संपत्तियों की भी जांच करवाई जानी चाहिए। इस दौरान राजेंद्र राणा ने प्रदेश सरकार पर लैंड डील को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए। राजेन्द्र राणा ने कहा कि पिछले साढ़े तीन साल में तबादला माफिया, भू माफिया और वन माफिया सक्रिय है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय लैंड डील का अड्डा बन गया है। बेनामी सौदे सरकार के संरक्षण में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपने मित्रों को खुश करने में जुटी प्रदेश सरकार पशु मित्र, वन मित्र, बिजली मित्र और अब आपदा मित्रों की भर्ती कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश कांग्रेस सरकार ने हिमाचल ऑन सेल कर दिया है। हिमाचल को लूटने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। राजेंद्र राणा ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस सरकार को 41 हजार करोड़ के लगभग आर्थिक सहायता केंद्र से मिली है।

मौसम | हिमाचल में उच्च पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी होने के आसार

16 अप्रैल से फिर बदलेगा मौसम, 18-19 को अलर्ट जारी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में अगले दो दिन मौसम साफ रहने के बाद 16 अप्रैल से फिर बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार 15 अप्रैल तक प्रदेश में मौसम सामान्यतः शुष्क रहेगा, लेकिन इसके बाद एक ताजा व पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 16 से 19 अप्रैल के बीच कई क्षेत्रों में मौसम खराब रहने की संभावना है। इस दौरान उच्च पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी होने के आसार हैं। खासकर 18 और 19 अप्रैल को कुछ स्थानों पर आंधी और आसमानी बिजली के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका जताई गई है। इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इस दौरान बर्फबारी की भी संभावना है। सोमवार को पूरे प्रदेश में मौसम साफ बना हुआ है और राजधानी शिमला व पर्यटन नगरी मनाली में सुबह से गुनगुनी धूप खिली है। वहीं निचले व मैदानी इलाकों में तेज धूप के कारण लोगों को हल्की उमस महसूस हुई। पिछले दो दिन से राज्य के अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का क्रम थमा हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि 15 अप्रैल तक मौसम के इसी तरह साफ बने रहने के आसार हैं, जबकि 16 अप्रैल से पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बादल बढ़ेंगे और कई स्थानों पर हल्की वर्षा की गतिविधियां शुरू हो सकती हैं। अप्रैल महीने में अब तक प्रदेश में सामान्य से करीब 140 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की जा चुकी है। बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसलों तथा फलदार पौधों विशेष रूप से सेब को नुकसान भी हुआ है। वहीं ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हालिया बर्फबारी के कारण तापमान में गिरावट का असर बना हुआ है।

सोमवार को प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। प्रदेश के विभिन्न शहरों में सोमवार को दर्ज न्यूनतम तापमान पर नजर डालें, तो लाहौल स्पीति जिला के मुख्यालय केलांग में माइनस 0.8 डिग्री, ताबो 1.0, कुकुमसेरी 2.1, कल्पा 2.8, मनाली 5.7, कुफरी व सेओबाग 6.4, धर्मशाला 7.8, भुंतर 9.2, सोलन 9.5, शिमला 10.0, पालमपुर 10.5, चंबा 10.8, बरठीं 10.9, सुंदरनगर 11.8, नाहन 12.1, जुब्बड़हट्टी 12.2, कांगड़ा 12.4, मंडी 12.9, बिलासपुर 13.5, ऊना 13.8, देहरा गोपीपुर 17.0 और पांवटा साहिब 18.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जम्मू-कश्मीर में 13-15 अप्रैल तक मौसम रहेगा शुष्क

श्रीनगर। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने अगले कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर शुष्क रहने की भविष्यवाणी की है। इस सप्ताह के अंत में रुक-रुक कर बारिश और तेज हवाएँ चलने की संभावना है। नवीनतम पूर्वानुमान के अनुसार 13 से 15 अप्रैल तक पूरे केंद्र शासित प्रदेश में मौसम की स्थिति आम तौर पर शुष्क रहेगी। 16 अप्रैल को मौसम ज्यादातर शुष्क रहने की संभावना है, हालांकि शाम या रात के दौरान अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। 17 अप्रैल से मौसम में बदलाव की उम्मीद है आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे और जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। मौसम कार्यालय ने 17-18 अप्रैल के दौरान 40-50 किमी/घंटा की गति से तेज हवाएं चलने और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी चेतावनी दी है। इसके बाद 19 से 23 अप्रैल तक फिर से मौसम आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है। इस बीच किसानों के लिए एक सलाह जारी की गई है जिसमें उनसे सूखे की आशंका के मद्देनजर 16 अप्रैल तक कृषि कार्य जारी रखने का आग्रह किया गया है। मौसम विभाग ने 16 अप्रैल तक कई स्थानों पर दिन के तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की भी भविष्यवाणी की है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा, स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

भगवंत मान सरकार बेअदबी के खिलाफ लाई सबसे सख्त कानून, इंसाफ सुनिश्चित करने के लिए उम्रकैद और 25 लाख रुपये का जुर्माना: हरपाल सिंह चीमा

विपक्ष ने वर्षों तक लोगों को गुमराह किया जबकि आरोपी खुलेआम घूमते रहे, भगवंत मान सरकार ऐतिहासिक संशोधन के जरिए जवाबदेही तय कर रही है: चीमा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

विधानसभा में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा पेश किए गए ₹जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल₹ के समर्थन में बोलते हुए, वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने बेअदबी के लिए सख्त सजा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक संशोधन लाने पर मुख्यमंत्री का तहे दिल से धन्यवाद किया। इस संशोधन को भगवंत मान सरकार का एक ईमानदार प्रयास बताते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने लोगों को गुमराह करने के लिए विपक्ष की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि संशोधित बिल में ऐतिहासिक सजा के प्रावधान किए गए हैं, जिसमें बेअदबी के दोषियों के लिए उम्रकैद और 25 लाख रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान है, तथा इस अपराध को पूरी तरह गैर-जमानती श्रेणी में रखा गया है।

अपने संबोधन के दौरान वित्त मंत्री चीमा ने शिरोमणि अकाली दल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए राज्य में बेअदबी की घटनाओं के काले इतिहास को नकोदर कांड से जोड़ा। उन्होंने कहा कि बेअदबी की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं का सिलसिला हमेशा उसी समय शुरू हुआ जब पंजाब में अकाली-भाजपा सरकार सत्ता में थी। मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, 4 फरवरी 1986 को नकोदर में, श्री गुरु अर्जन देव गुरुद्वारा साहिब में गुरु ग्रंथ साहिब के पांच स्वरूपों को आग के हवाले किए जाने की घटना के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध कर रहे सिख युवाओं पर पुलिस ने गोली चला दी थी। इस पुलिस फायरिंग में भाई रविंदर सिंह (लित्तरां), भाई हरमिंदर सिंह (चुल्लेपुर), भाई बलधीर सिंह (रामगढ़) और भाई झिलमन सिंह (गोरसियां) समेत चार युवक शहीद हो गए थे। घटना के बाद जस्टिस गुरनाम सिंह आयोग बनाया गया। हालांकि रिपोर्ट का पहला हिस्सा सौंप दिया गया, लेकिन दूसरा हिस्सा रहस्यमय तरीके से गायब हो गया।

पिछली सरकारों द्वारा कार्रवाई की कमी को उजागर करते हुए उन्होंने आगे कहा, 1997 से 2002 और 2007 से 2017 तक लगातार अकाली-भाजपा सरकारों तथा 2002 से 2007 तक कांग्रेस सरकार ने लापता रिपोर्ट खोजने या न्याय दिलाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। हैरानी की बात है कि नकोदर कांड में दोषी पाए गए अधिकारियों को बाद में सरकार और राजनीतिक दलों में महत्वपूर्ण पदों से नवाजा गया। 2015 की घटनाओं का जिक्र करते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि अकाली-भाजपा सरकार ने सबूतों को नष्ट करने की सक्रिय कोशिश की, जिसमें बहिबल कलां गोलीकांड के बुलेट सबूतों से छेड़छाड़ भी शामिल है। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, एक उच्च शिक्षित नेता, जो सांसद, केंद्रीय मंत्री और उपमुख्यमंत्री रह चुका है, वह श्री अकाल तख्त साहिब के सामने अपनी गलतियां स्वीकार करने के बाद इस तरह के कबूलनामे के लिए दबाव पाये जाने का दावा कैसे कर सकता है?

कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, कांग्रेस दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने में पूरी तरह विफल रही। उन्होंने केवल विशेष जांच टीमें बनाईं, लेकिन कभी भी अदालत में चालान पेश नहीं किए। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में हम लोगों को न्याय दिलाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमने आखिरकार जवाबदेही तय करने के लिए चालान पेश किए हैं। अपने विधानसभा संबोधन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने सरकार के रुख को स्पष्ट किया और कहा कि इन मुद्दों पर शिरोमणि अकाली दल का इतिहास दागदार रहा है।उ

- नकोदर से लेकर बहिबल कलां तक, अकाली-भाजपा सरकारों ने आरोपियों को बचाया, कांग्रेस कार्रवाई करने में विफल रही, अब सच्चाई को दबाया नहीं जा सकता: हरपाल सिंह चीमा
- पिछली सरकारों ने केवल एसआईटी बनाई जबकि आप सरकार ने जवाबदेही तय करने के लिए चालान पेश किए: हरपाल सिंह चीमा
- बेअदबी अब गैर-जमानती अपराध, भगवंत मान सरकार ने बेअदबी के प्रति जीरो टॉलरेंस का स्पष्ट संदेश दिया: हरपाल सिंह चीमा
- भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून क्यों नहीं बनाया, पंजाब ने निर्णायक कार्रवाई से राह दिखाई: हरपाल सिंह चीमा

पंजाब विधानसभा द्वारा विभिन्न हस्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा ने आज अपने विशेष सत्र के दौरान एक शोक प्रस्ताव पारित कर हाल ही में दिवंगत हुई प्रतिष्ठित हस्तियों और नागरिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सदन ने पूर्व मंत्री स. लाल सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके द्वारा की गई जनसेवा तथा पंजाब के विकास में दिए गए योगदान को याद किया।

उनके लंबे राजनीतिक जीवन और जनकल्याण के प्रति समर्पण की सराहना की गई। सदन द्वारा उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल मथुरा-वृंदावन तथा हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के ढलियारा क्षेत्र में माता चिंतपूर्णी और माता ज्वालामुखी के दर्शन के लिए जा रहे पंजाब के श्रद्धालुओं के साथ हुए दुखद हादसों में जान गंवाने वालों के प्रति भी संवेदना व्यक्त की गई। विधानसभा ने शोक संतप्त परिवारों के साथ गहरी सहानुभूति जताई और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।

साथ ही, सदन के सदस्यों ने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए धार्मिक स्थलों पर मजबूत सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया।

सदन ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान को नमन किया। इसके अतिरिक्त, प्रसिद्ध गायिका आशा भोंसले को भी श्रद्धांजलि दी गई और भारतीय संगीत में उनके योगदान को स्मरण किया गया। सदन के सदस्यों ने कहा कि उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

गैंगस्टरों ते वार का 83वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 475 स्थानों पर छापेमारी; 223 गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेशों के तहत शुरू की गई निर्णायक ह्यगैंगस्टरों ते वारह्न मुहिम के 83वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के पहचाने और मैप किए गए 475 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि ह्यगैंगस्टरों ते वारह्न पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान है, जिसे 20 जनवरी 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शुरू किया था। टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं। 83वें दिन पुलिस टीमों ने दो हथियार बरामद करने के बाद 223 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 20,843 हो गई है। इसके अलावा 78 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई है, जबकि 81 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 5 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है।

लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों से संबंधित सूचना साझा कर सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम ह्युद्ध नशों विरुद्धह्न के 408वें दिन भी अभियान जारी रखते हुए आज 97 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 8.3 किलोग्राम हेरोइन, 5528 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 9300 रुपये की ड्रग मनी बरामद की है।

पंजाब में बेअदबी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी और सख्त: स्पीकर कुलतार सिंह संधवां

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने आज यहां बताया कि पंजाब सरकार राज्य में बेअदबी की घटनाओं को रोकने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कानूनी ढांचे और न्यायिक प्रक्रिया को और मजबूत करने हेतु एक नया विधेयक लाने जा रही है।

विशेष सत्र की शुरूआत से पहले ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री अंब साहिब, मोहाली में माथा टेकने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्पीकर ने बैसाखी के पावन अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना और पंच प्यारों की रचना ने सिखों को एक विशिष्ट पहचान दी, जो सरबत दा भला के सिद्धांत पर आधारित है। बेअदबी के संवेदनशील मुद्दे पर बोलते हुए संधवां ने कहा कि पिछली घटनाओं ने सिख संगत के मन में गहरा दुख पैदा किया है।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार दोषियों को सजा दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, लेकिन भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए और कड़े कानूनी प्रावधानों की आवश्यकता है।

प्रस्तावित विधेयक मौजूदा विशेष सत्र के दौरान पेश किया जाएगा।

जांच की स्थिति

स्पीकर ने बहबल कलां और बरगाड़ी मामलों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि: लगभग सभी मामलों की जांच पूरी हो चुकी है। एक मामले को छोड़कर बाकी सभी में चालान अदालत में पेश किए जा चुके हैं। मामले अब न्यायालय में विचाराधीन हैं।

आलोचकों को जवाब

एसजीपीसी द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर पूछे जाने पर संधवां ने कहा कि अतीत में इन मुद्दों को सुलझाने के लिए उनके पास पर्याप्त अवसर थे। उन्होंने कहा कि जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान न्याय नहीं दिलाया, उन्हें अब मौजूदा प्रयासों में बाधा डालने का अधिकार नहीं है।

एकता की अपील

अंत में, स्पीकर ने आशा व्यक्त की कि पंजाब विधानसभा के सभी सदस्य, पार्टी लाइन से ऊपर उठकर, इस विधेयक को सर्वसम्मति से पारित करेंगे। उन्होंने कहा कि यह कानून आपसी भाईचारे, शांति और श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

मान सरकार द्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पवित्रता बनाए रखने के लिए ऐतिहासिक संशोधन बिल पेश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भगवंत मान सरकार द्वारा आज एक सख्त संशोधन बिल पेश किया गया, जिसमें बेअदबी के मामलों में उम्रकैद की सजा का प्रावधान किया गया है। कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने इस बिल को न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कदम बताया।

आज जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल, 2026 विधानसभा में पेश किया गया। यह कदम राज्य सरकार की पिछली सरकारों से अलग सोच को दशार्ता है, जिसके तहत सरकार ने सख्त और समयबद्ध कार्रवाई करने तथा बेअदबी के मामलों में किसी भी प्रकार के समझौते की गुंजाइश खत्म करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पंजाब विधानसभा में इस ऐतिहासिक बिल पर चर्चा शुरू करते हुए विधायक श्री आनंदपुर साहिब हरजोत सिंह बैंस ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पवित्रता की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने गर्व से कहा, मैं आज केवल एक विधायक नहीं हूं। मैं उस धरती की आवाज हूं, जहां श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने 327 वर्ष पहले 13 अप्रैल को पूरी दुनिया को खालसा का उपहार दिया था।

आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की पहलों की तुलना पिछली सरकारों से करते हुए उन्होंने कहा, तथाकथित पंथक सरकारें श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पवित्रता की रक्षा के लिए सख्त कानून बनाने में असफल रहीं, बल्कि उनमें से कुछ नेता बेअदबी के मामलों में दोषी भी थे और बाद में उन्होंने श्री अकाल तख्त साहिब में अपने अपराध स्वीकार किए थे। हम साधारण पृष्ठभूमि से हैं और यहां तक पहुंचने की कभी कल्पना भी नहीं की थी। आज इस सरकार के माध्यम से बादशाह दरवेश श्री गुरु गोबिंद सिंह जी स्वयं हमसे यह सेवा करवा रहे हैं। मंत्री ने बिल की सराहना करते हुए इसे एक व्यापक और दूरदर्शी कानून बताया। उन्होंने इसके मुख्य प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि केवल डीएसपी रैंक या उससे ऊपर के अधिकारी ही बेअदबी के मामलों की जांच कर सकेंगे और जांच व मुकदमे के लिए सख्त समय-सीमाएं निर्धारित की गई हैं। इस गंभीर अपराध में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

संपादकीय

मोदी का संकल्प: 2029 चुनाव होंगे महिलाओं के नाम !

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में महिला सशक्तिकरण का प्रश्न कभी केवल सामाजिक नहीं रहा, वह राजनीतिक इच्छाशक्ति की कसौटी भी रहा है। इसीलिए जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा के सभी दलों के नेताओं को पत्र लिखकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के लिए एकजुटता का आह्वान किया, तो यह केवल एक विधायी प्रक्रिया की शुरूआत नहीं थी – यह एक बड़े राजनीतिक संग्राम की आहट भी थी। 16 अप्रैल 2026 से संसद के तीन दिवसीय विशेष सत्र में इस कानून में बदलाव के प्रस्ताव को पारित कराने की कोशिश, देश की राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कदम उस वृहत्तर संकल्प से जुड़ा है जिसके अनुसार 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के साथ संपन्न हों। सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम सर्वसम्मति से संसद में पारित हुआ था, लेकिन उसे लागू करने के लिए परिसीमन और जनगणना की शर्त जोड़ी गई थी। अब सरकार इस शर्त को शिथिल करते हुए 2011 की जनगणना के आधार पर आरक्षण लागू करने का रास्ता निकालना चाहती है। साथ ही लोकसभा की सीटें बढ़ाकर 816 करने और उनमें से 273 महिलाओं के लिए आरक्षित करने का भी प्रस्ताव है। निस्संदेह, यदि यह प्रस्ताव कार्यान्वित हो जाता है तो भारतीय संसद में महिला प्रतिनिधित्व की तस्वीर बदल जाएगी। प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में यह भी कहा कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है जब महिलाओं को आगे बढ़ने, निर्णय लेने और नेतृत्व करने का अवसर मिले। उन्होंने देश की बेटियों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अंतरिक्ष से लेकर खेल तक, सेना से लेकर स्टार्टअप तक, हर क्षेत्र में नारी शक्ति अपनी छाप छोड़ रही है। इस भावना से किसी को असहमति नहीं हो सकती। महिला सशक्तिकरण किसी एक दल का एजेंडा नहीं, यह राष्ट्र का दायित्व है। परंतु इस उच्च आदर्श के इर्द-गिर्द जो राजनीतिक घटनाक्रम घूम रहा है, वह विचारणीय अवश्य है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री के पत्र का जो उत्तर दिया, वह विपक्ष की आशंकाओं का प्रतिबिंब है। खरगे ने कहा कि राज्यों में चुनाव की आचार संहिता लागू रहते हुए संसद का विशेष सत्र बुलाना, सरकार की जल्दबाजी को उजागर करता है। उनका तर्क है कि तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में मतदान की प्रक्रिया जारी है, ऐसे में 29 अप्रैल तक इंतजार करके सर्वदलीय बैठक बुलाना उचित होता। खरगे ने यह भी रेखांकित किया कि परिसीमन के विवरण साझा किए बिना कोई भी सार्थक चर्चा संभव नहीं है। उनका कहना था कि संवैधानिक संशोधन केवल केंद्र को नहीं बल्कि राज्यों को भी प्रभावित करेंगे, इसलिए हर छोटे-बड़े दल और राज्य को इस प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए। विपक्ष का यह आरोप कि सरकार महिला आरक्षण कानून को राजनीतिक फायदे के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है, पूरी तरह नकारा भी नहीं जा सकता। 2023 में जब यह कानून पारित हुआ था, तब भी इसके क्रियान्वयन की शर्तों को लेकर विवाद था। करीब ढाई साल बीत जाने के बाद, जब देश कई राज्यों में चुनावी मौसम से गुजर रहा हो, तब विशेष सत्र बुलाना स्वाभाविक रूप से संदेह उत्पन्न करता है। राजनीति में समय और संदर्भ अपने आप में एक संदेश होता है। दूसरी ओर, यह भी समझना होगा कि सरकार की मंशा पर केवल समय-निर्धारण के आधार पर संशय करना उचित नहीं होगा। यदि परिसीमन को 2027 की जनगणना से जोड़ा जाता रहा, तो महिला आरक्षण अनिश्चितकाल के लिए टलता रहेगा। 2011 के आंकड़ों के आधार पर इसे लागू करने का प्रस्ताव एक व्यावहारिक समाधान हो सकता है, बशर्ते इसे पारदर्शी और समावेशी तरीके से आगे बढ़ाया जाए। कोई भी ऐतिहासिक कानून तब अधिक स्थायी और प्रभावशाली होता है जब उसे सर्वसम्मति से अपनाया जाए, न कि बहुमत के बल पर थोपा जाए। यहीं पर संवाद की भूमिका निर्णायक हो जाती है। प्रधानमंत्री ने संवाद और सहयोग का आमंत्रण दिया है – यह शुभ संकेत है। लेकिन संवाद तभी फलदायी होता है जब वह एकतरफा न हो। विपक्ष की मांग है कि सर्वदलीय बैठक 29 अप्रैल के बाद बुलाई जाए ताकि सभी पक्ष बिना चुनावी दबाव के खुलकर बात कर सकें। परिसीमन के मसले पर विस्तृत जानकारी साझा की जाए, क्योंकि यह सीटों के बंटवारे और प्रतिनिधित्व के ढांचे को मौलिक रूप से प्रभावित करेगा। दक्षिण भारत के राज्यों में पहले से यह चिंता व्याप्त है कि परिसीमन उनकी लोकसभा में उपस्थिति को कमजोर कर सकता है। इन आशंकाओं को संबोधित किए बिना आगे बढ़ना विधायी दृष्टि से खतरनाक होगा। यह भी ध्यान देने योग्य है कि महिला आरक्षण कानून के भीतर अनुसूचित जातियों और जनजातियों की महिलाओं के लिए उपआरक्षण तो है, किंतु ओबीसी महिलाओं के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं है। यह एक बड़ी चूक है जिसे इस संशोधन के दौरान दूर किया जाना चाहिए। देश की आधी आबादी के भीतर भी अनेक स्तर की वंचना है और समावेशी लोकतंत्र की मांग है कि सबसे पिछड़ी महिलाओं को भी प्रतिनिधित्व का अवसर मिले। अंततः, यह विषय दलगत राजनीति से परे है। महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में उचित प्रतिनिधित्व मिलना न केवल सामाजिक न्याय की आवश्यकता है, बल्कि यह लोकतंत्र की परिपक्वता की भी निशानी है। जब आधी जनसंख्या नीति-निर्माण में सक्रिय भागीदार बनेगी, तभी देश की प्राथमिकताएं वास्तव में संतुलित होंगी। स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, सुरक्षा – ये सभी मुद्दे अधिक प्रभावशाली ढंग से उठेंगे जब महिला आवाजें सदन में प्रबल हों। प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान सही दिशा में है। लेकिन इसे केवल एक राजनीतिक घोषणा तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सरकार को विपक्ष की उचित मांगों को स्वीकार करते हुए, परिसीमन की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए और सर्वदलीय सहमति बनाते हुए इस कानून को आगे बढ़ाना चाहिए। यदि महिला आरक्षण वास्तव में ऐतिहासिक परिवर्तन का माध्यम बनना है, तो उसकी नींव संवाद, विश्वास और पारदर्शिता पर रखी जानी चाहिए – न कि राजनीतिक अवसरवाद पर। भारत की महिलाएं इस कानून की हकदार हैं – और वे उससे भी अधिक एक ऐसी व्यवस्था की हकदार हैं जो उन्हें वास्तविक शक्ति और गरिमा प्रदान करे। यह समय की मांग है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी संकीर्णताओं से ऊपर उठकर इस लक्ष्य को पूरा करें।

डॉ. आम्बेडकर के विचारों को समझने की जरूरत

डॉक्टर लोकेश चंदेल (हि.स)

देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने डॉ. भीमराव आम्बेडकर को आधुनिक भारत का निमार्ता और सामाजिक सुधारों का अग्रदूत कहा था। डॉ. आम्बेडकर ने कानून मंत्री के पद से महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के लिए संसद में हिन्दू कोड बिल पेश किया । इसमें संपत्ति और तलाक के अधिकार भी शामिल थे। वे कहा करते थे- महिलाओं की सामाजिक स्थिति देखकर उस समाज की प्रगति का अनुमान लगाया जाना चाहिए। शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है। डॉ. आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रेल, 1891 को मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। उनका मुख्य विचार' शिक्षत बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।बना था'। ये शब्द सामाजिक सशक्तीकरण और सामूहिक प्रगति के प्रति उनके दृष्टिकोण को दशार्ते हैं। वे महात्मा ज्योतिबा फुले को अपना गुरू मानते थे, क्योंकि उनके विचारों और सामाजिक आन्दोलनों से बहुत प्रेरित हुए। संत कबीर और महात्मा बुद्ध को भी अपना दार्शनिक गुरु मानते थे।

उन्होने बुद्ध के समानता और भाईचारे के सिद्धांत को जीवनभर अपनाया। कबीर के आडम्बर मुक्त और सामंतवादी विचारों का भी प्रभाव रहा। डॉ. आम्बेडकर अपने अधिकतर भाषणों में महिलाओं, मजदूरों और समाज के वंचित वर्गों को शिक्षा लेने के लिए प्रोत्साहित करते थे। उन्होंने श्रमिकों के लिए काम के घंटे, न्यूनतम वेतन और अन्य अधिकार सुनिश्चित कराने में भूमिका निभाई। उनकी परिकल्पना से ही भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना हुई । वे भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पी, समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, महिला उदारक , मजदूरों के हितैषी और दलितों के मसीहा थे। उन्होंने समानता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय के लिए जीवन भर संघर्ष किया, जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई और भारतीय संविधान के माध्यम से शोषितों, महिलाओं व श्रमिकों को मौलिक अधिकार दिलाकर राष्ट्र निर्माण में अद्वितीय योगदान दिया।

वे संविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष थे। उन्होंने सभी नागरिकों के लिए न्याय, स्वतंत्रता और समानता सुनिश्चित करने वाला संविधान तैयार किया। उन्होंने अस्पृश्यता के खिलाफ लम्बी जंग लड़ी, दलितों के सम्मान और अधिकारों के लिए मूकनायक, बहिष्कृत भारत जैसी पत्रिकाएं प्रारंभ करके उनमें जनचेतना संचार किया। उन्होंने भारत में मजदूर वर्ग के अधिकारों, समानता और सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक योगदान दिया, जिसमें काम के घंटे 14 से घटाकर 8 करना, महिलाओं के लिए प्रसूति अवकाश, न्यूनतम वेतन, और कर्मचारी राज्य बीमा की शुरूआत शामिल हैं।

उन्होंने ट्रेड यूनियनों को मान्यता दिलाई और भारतीय संविधान के माध्यम से शोषण के खिलाफ कानूनी अधिकार सुनिश्चित करवाए। उन्होंने मजदूरों के संगठित होने और सामूहिक सौदेबाजी के अधिकार को कानूनी मान्यता दिलाने का काम किया। संविधान में अनुच्छेद 23, 24, 39 और 43 के तहत बंधुआ मजदूरी, बाल श्रम, और समान काम के लिए समान वेतन जैसे प्रावधानों को शामिल किया। उन्होंने 1942 में 7वें भारतीय श्रम सम्मेलन में कारखानों में काम के घंटे 14 से घटाकर 8 घंटे करने का नियम लागू किया। उसी दौरान न्यूनतम मजदूरी अधिनियम का मसौदा तैयार किया, हालांकि इसे 1948 में कानून के रूप में लागू किया गया। वे 1944 में वेतन भुगतान (संशोधन) विधेयक पेश किया। इसमें महंगाई भत्ता (डीए), छुट्टी लाभ, वेतनमान में संशोधन, ओवरटाइम के लिए अतिरिक्त भुगतान, रियायती भोजन आदि प्रावधान शामिल थे।

डॉ .आम्बेडकर भारतीय महिलाओं को समानता, शिक्षा और संपत्ति के अधिकार दिलाने के लिए हिंदू कोड बिल के माध्यम से ऐतिहासिक संघर्ष किया। संविधान निमार्ता के रूप में उन्होंने महिलाओं के लिए समान अधिकार, तलाक, गोद लेने और विरासत के अधिकार सुनिश्चित किए। भारतीय संविधान के माध्यम से उन्होंने महिलाओं को मतदान का अधिकार, समान काम के लिए समान वेतन, और शिक्षा व रोजगार में समानता सुनिश्चित की। उन्होंने महिलाओं को तलाक लेने, पिता की संपत्ति में हिस्सा पाने, और गोद लेने का अधिकार देने के लिए हिन्दू कोड बिल पेश किया। यद्यपि यह तुरंत पास नहीं हुआ, लेकिन बाद में इसके प्रावधानों को ही हिन्दू कानून के रूप में अपनाया गया। उन्होंने महिलाओं को शिक्षित होने और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उनका प्रसिद्ध कथन था कि पुरुषों की शिक्षा से अधिक महिलाओं की शिक्षा महत्वपूर्ण है। वे बाल विवाह, पर्दा प्रथा, और देवदासी जैसी कुरीतियों का कड़ा विरोध करते हुए महिलाओं को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित करते थे। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं को मातृत्व अधिकार का लाभ दिलाने की वकालत की थी। डॉ. आम्बेडकर ने कहा था कि सरकार को कश्मीर में रह रहे हिन्दू और बौद्ध की सुरक्षा की चिंता सबसे पहले करनी चाहिए। वह भविष्यवाणी सही साबित हुई। 90 के दशक में कश्मीर से हिन्दुओं और बौद्धों को निकाला गया।

काश सरकारें उनके कथन को गंभीरता से लेतीं तो आज परिणाम कुछ और होते। भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के समय पाकिस्तान में रह गए हिन्दुओं के लिए कहा था कि वे शीघ्र ही पाकिस्तान छोड़कर आ जाएं, क्योंकि उनका पाकिस्तान में भविष्य सुरक्षित नहीं है। यह भविष्यवाणी वर्तमान में सही सिद्ध हो रही है। वहां पर हिन्दुओं को जबरन इस्लाम स्वीकार करवाया जा रहा है। बहरहाल, हम यह कह सकते हैं कि इस महामानव के साथ उस दौर में न्याय नहीं किया गया। लेकिन आज उनके विचार विश्वविद्यालय की गोष्ठियों से निकलकर आम सभाओं में सुने जा रहे हैं। उनके कार्यों के बारे में जानकारी देने के लिए आम्बेडकर कथा की जा रही है। उनके किए गए कार्यों को देखकर उनके अनुयायियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं)

नए साल में नई आशा: एक भारत की भावना

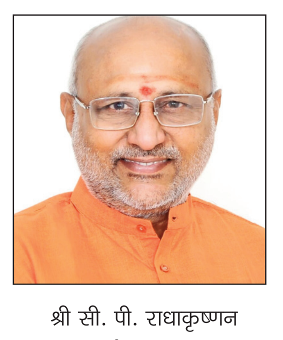

श्री सी. पी. राधाकृष्णन

मुझे अत्यंत हर्ष है कि मैं भारत और विश्वभर के सभी लोगों को बैसाखी, रोंगाली बिहू, महा बिषुबा पना संक्रांति, पोइला बोइशाख, विषु और तमिल पुथांडु के अवसर पर अपनी पारंपरिक नववर्ष की शुभकामनाएँ देता हूं, जो 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को दशार्ते हैं। ये सभी शुभ अवसर सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आएं।

चिथिरई का महीना कृषि की तैयारियों का समय होता है। किसान अपनी जमीन को उपजाऊ बनाने के लिए उस पर काम करना शुरू कर देते हैं। चूंकि हमारे लोग मानते हैं कि मेहनत से ही प्रगति होती है, इसलिए वे श्रम की शुरूआत का जश्न मनाते हैं। पूरे देश में, हमें इसी तरह के उत्सव देखने को मिलते हैं, जो भारत में एकता और साझा संस्कृति के उदाहरण हैं।

उत्तर भारत में, विशेषकर पंजाब में, लोग बैसाखी को फसल उत्सव के रूप में मनाते हैं। दक्षिण में, केरल में विशु मनाया जाता है, जहां शुभ वस्तुओं (कानी) को देखना एक महत्वपूर्ण रिवाज है। असम में लोग बिहू मनाते हैं, जबकि पश्चिम बंगाल में पोइला बोइशाख को उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

इसी प्रकार मणिपुर, त्रिपुरा, ओडिशा, बिहार, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में भी लोग इस अवधि को विभिन्न पारंपरिक रूपों में नववर्ष के रूप में मनाते हैं। उत्तराखंड के हरिद्वार में देशभर से श्रद्धालु गंगा में पवित्र स्नान करने के लिए एकत्र होते हैं, जो इस अवसर की पवित्रता को दशार्ता है।

तेलुगु भाषी लोगों ने हाल ही में अपना नववर्ष उगादी के रूप में मनाया, जबकि मराठी और कोंकणी समुदाय अपना नववर्ष गुड़ी पड़वा के रूप में मनाते हैं। हम एक प्राचीन सभ्यता से संबंधित हैं, जिसका प्रमाण हमारे पूर्वजों के वैज्ञानिक ज्ञान से मिलता है। ब्रह्मांड के प्रति उनकी सटीक समझ इन नववर्ष उत्सवों में झलकती है।

इसी प्रकार, तमिल नववर्ष एक अत्यंत विशेष अवसर है, जो हमारे पूर्वजों की बुद्धिमत्ता का उत्सव मनाता है। यह एक ऐसा पर्व है जो परंपरा, परिवार, आध्यात्मिकता और अनुशासित जीवन शैली को एक साथ जोड़ता है। यह एक नई शुरूआत का संकेत देता है और हमें पिछले अनुभवों से सीख लेते हुए नई आशा के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

आज हम वैश्विक कैलेंडर का पालन करते हैं, लेकिन हमें अपने तमिल कैलेंडर को भी याद रखना चाहिए, जो अपनी विशेषता के कारण केवल दिनों और महीनों को ही नहीं, बल्कि वर्षों को भी नाम देता है। ऐसे कुल 60 वर्ष-नाम होते हैं, और इस वर्ष का नाम 'पराभव' है, जो इस चक्र का 40वां वर्ष है।

'खगोल विज्ञान' शब्द की उत्पत्ति ग्रीक भाषा से हुई है, जिसका अर्थ है तारों के नियमों का अध्ययन। तमिल में इसे 'वाणियल' कहा जाता है। हजारों वर्ष पहले ही तमिल विद्वानों ने यह समझ लिया था कि पृथ्वी गोल है और उन्होंने खगोलीय पिंडों की गति तथा उनके प्रभाव का अध्ययन किया था।

प्राचीन तमिल साहित्य, जैसे कि पतिरुप्पट्ठ, ब्रह्मांड की प्रकृति और गति का वर्णन करता है। श्लोकों में बताया गया है कि संसार पाँच तत्वों से बना है और आकाशीय शक्तियों से शासित है। सिरुपनरुप्पदई जैसी अन्य रचनाएं ग्रहों की गति का उल्लेख करती हैं।

संगम साहित्य में ग्रहों और तारों के संदर्भ मिलते हैं। उदाहरण के लिए, पुराणनुरु में शनि को काला (मैम्मीन) बताया गया है। आकाशीय प्रभावों के अध्ययन की परंपरा 'कनियान' कहलाने वाले विद्वानों से जुड़ी थी। माना जाता है कि कवि कनियान पूंगुंद्रनार ने अपना नाम इसी परंपरा से लिया है। यहां तक कि तोलकाप्पियम जैसे प्राचीन ग्रंथ भी ऐसे विद्वानों को ₹अरीवर₹ कहते हैं। 'अकनानुरु' जैसे साहित्य से पता चलता है कि विवाह जैसे शुभ आयोजन उचित तिथियों और समय का चुनाव कर-के संपन्न किए जाते थे।यह परंपरा आज भी तमिलनाडु में जारी है। चिथिरई के पहले दिन मंदिरों में पंचांग पढ़ा जाता है और लोग इसे सुनने के लिए एकत्रित होते हैं।

पंचांग में पाँच तत्व होते हैं: वार (दिन), तिथि, करण, नक्षत्र और योग। इनके आधार पर वर्षा, कृषि और वर्ष से जुड़े अन्य पहलुओं के बारे में भविष्यवाणी की जाती है। हमारे पूर्वज समय को मापने के लिए सौर और चंद्र दोनों प्रणालियों का उपयोग करते थे। आज आधुनिक विज्ञान उन्नत उपकरणों से ग्रहण की गणना करता है, लेकिन पहले भी इन घटनाओं का अध्ययन कर उन्हें सटीक रूप से बताया जाता था।

हमारे पूर्वजों से मिला ज्ञान हमारी धरोहर है। हमें इसे सुरक्षित रखना चाहिए और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना चाहिए। मंदिरों में पंचांग का पाठ सुनना इस परंपरा का सम्मान करने का एक तरीका है। नववर्ष का एक और पहलू यह दिखाता है कि हमारे लोग प्रकृति की समृद्धि का कितना सम्मान करते थे। घरों में फल और फूल जैसी शुभ वस्तुओं को सजाया जाता है और सुबह सबसे पहले उन्हें देखा जाता है।

वसंत ऋतु वह समय है, जब प्रकृति खुद को नया रूप देती है। पेड़-पौधे फिर से हरे-भरे हो जाते हैं और फूल-फल खिलते हैं। प्रकृति के साथ तालमेल में रहने वाले तमिल लोग 'कणी कणल' की परंपरा के जरिए इस समृद्धि को देखकर वर्ष की शुरूआत करते हैं।

इसी तरह, इस दिन बनने वाले पारंपरिक भोजन में सभी स्वाद शामिल होते हैं, यहाँ तक कि कड़वा भी। यह हमें सिखाता है कि जीवन में सुख और दुख दोनों तरह के अनुभव होते हैं, और हमें उन्हें संतुलन के साथ स्वीकार करना चाहिए।

इन त्योहारों में पूरे देश में और दुनिया के उन हिस्सों में भी, जहां भारतीय समुदाय रहते हैं, एक समानता दिखाई देती है। ये उत्सव हमारी सांस्कृतिक समृद्धि और विविधता की याद दिलाते हैं, साथ ही देश की एकता को भी दिखाते हैं। ये हमें मिल-जुलकर रहने की प्रेरणा देते हैं।

मैं युवाओं से आग्रह करता हूँ कि वे नए साल को सकारात्मक सोच, विश्वास और समर्पण के साथ मनाएं और अपने पूर्वजों के दिखाए रास्ते पर चलें। आइए हम देश की प्रगति में योगदान देने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें।

हमारा भारत हमेशा से अपनी सभ्यता के मूल्यों में एक रहा है और आगे भी एक बना रहेगा। बड़ों के आशीर्वाद से युवा पीढ़ी 'एक भारत' की भावना के साथ आगे बढ़े और 2047 तक 'श्रेष्ठ भारत' और 'विकसित भारत' के निर्माण में सफल हो।

(लेखक भारत के उपराष्ट्रपति हैं)

आज का राशिफल

मेष: आज व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आप अपने करीबी लोगों के लिए समय निकालेंगे, जिससे रिश्तों में मजबूती आएगी। दोस्तों के साथ समय बिताकर मन प्रसन्न रहेगा। आँखों से जुड़ी छोटी समस्याओं को नजरअंदाज न करें। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: आज आपका दिन संतुलित और व्यवस्थित रहेगा। नकारात्मक सोच वाले लोगों से दूरी बनाए रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान देना जरूरी है। दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य बना रहेगा। शिक्षा और शोध से जुड़े लोगों को कोई बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: आज आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी होने की संभावना है। आध्यात्मिक या सकारात्मक सोच वाले लोगों से मुलाकात हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों को अपनी स्थिति को लेकर चिंता रह सकती है। परिवार में किसी की बात दिल को ठेस पहुँचा सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: जल्दबाजी में लिए गए निर्णय आज नुकसान का कारण बन सकते हैं, खासकर व्यापार में। उधार के लेन-देन से दूरी बनाना बेहतर रहेगा। समय का सही उपयोग करें और बेवजह के कामों में उलझने से बचें। युवा वर्ग को गलत संगति से दूर रहने की जरूरत है। *(सिटी दर्पण)*

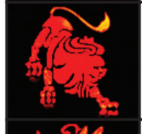

सिंह: स्वास्थ्य के लिहाज से दिन थोड़ा कमजोर रह सकता है, इसलिए सतर्क रहें। करियर को लेकर आप गंभीर और सजग रहेंगे। वैवाहिक जीवन में सुखद माहौल बना रहेगा। व्यवसाय में सहयोगियों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: दिन की शुरूआत सकारात्मक ऊर्जा के साथ होगी। परिवार में खुशहाली और सामंजस्य का वातावरण रहेगा। ससुराल पक्ष से कोई अच्छी खबर मिल सकती है। अधूरे कामों को पूरा करने में समय लगेगा। कार्यक्षेत्र में किसी भरोसेमंद व्यक्ति से धोखा मिलने की संभावना है, इसलिए सतर्क रहें। *(सिटी दर्पण)*

तुला: आज का दिन मानसिक रूप से थोड़ा तनावपूर्ण रह सकता है। करीबी लोग समय पर साथ न दें, जिससे निराशा हो सकती है। अपने व्यवहार और शब्दों पर नियंत्रण रखें, क्योंकि आपकी छवि प्रभावित हो सकती है। प्रेम संबंधों में विवाद से बचना जरूरी है। *(सिटी दर्पण)*

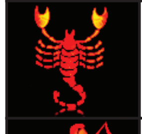

वृश्चिक: कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में रहेंगी। दोस्तों के साथ समय बिताकर खुशी महसूस करेंगे। अनावश्यक कामों में समय बर्बाद करने से बचें। अहंकार के कारण करीबी लोग दूर हो सकते हैं, इसलिए विनम्र बने रहें। जल्दबाजी में कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

धनु: आज का दिन आपके लिए बेहद सकारात्मक और लाभदायक साबित हो सकता है। अपनी प्रतिभा और क्षमताओं का बेहतर उपयोग करेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में बड़ी सफलता मिल सकती है। व्यापार में, खासकर आयात-निर्यात से जुड़े लोगों को बड़ा अवसर मिल सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: आज कार्यस्थल पर वरिष्ठ लोगों से मतभेद हो सकते हैं, इसलिए संयम रखें। रियल एस्टेट में निवेश करते समय सोच-समझकर निर्णय लें। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को पूरी तरह समझ नहीं पाएंगे, जिससे मन खिन्न रह सकता है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: व्यवसाय में लाभ के संकेत मिल रहे हैं। साझेदारी में नया काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। अपनी दिनचर्या को संतुलित और अनुशासित बनाए रखें। शोध और रहस्यमयी विषयों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मीन: आज आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। इलेक्ट्रॉनिक सामान में खराबी आ सकती है, जिससे खर्च बढ़ेगा। छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद हो सकता है, इसलिए धैर्य रखें। अपनी उपलब्धियों से असंतोष महसूस हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

आखिरकार सुनी गई आधी आबादी की आवाज

आर. विमला, आईएएस

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' और भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं का न्यायोचित स्थान'

'जब महिलाएँ सशक्त होती हैं, तो भारत मजबूत होता है। घर की गरिमा से लेकर संसद में समान आवाज तक, यह एक नए और आत्मविश्वास से भरे भारत की परिकल्पना है।'

– प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

भारत की महिलाएँ सदैव महान कार्यों में सक्षम रही हैं। वैदिक काल में गार्गी और मैत्रेयी ने बड़े-बड़े दार्शनिकों को निरुत्तर कर दिया था। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर ने जिस न्यायपूर्ण तरीके से अपने राज्य का शासन चलाया, उसकी बराबरी उनके समकालीन शासक नहीं कर सके। रानी लक्ष्मीबाई साहस की एक अमर मिसाल बन गईं। फिर भी, स्वतंत्र भारत–जो समानता के सिद्धांत पर आधारित एक संवैधानिक गणराज्य है ने इन महान महिलाओं की उत्तराधिकारियों को अपनी विधायिकाओं में शायद ही कोई जगह दी। पहली लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या मात्र 4.4 प्रतिशत थी। सात दशक बाद, 17वीं लोकसभा में भी यह आंकड़ा बढ़कर केवल 14.4 प्रतिशत तक ही पहुँच पाया। व्यक्तिगत प्रतिभा ने तो अपनी जगह बना ली थी, लेकिन व्यवस्थागत बदलाव अभी भी नहीं आया था। असल में, महिलाएं अपने ही लोकतंत्र में एक तरह से 'मेहमान' बनकर ही रह गईं।

हमारे संविधान ने पहले ही दिन से यह स्वीकार किया था कि जब सदियों से ढांचागत विसंगतियां जड़ जमाए बैठी हों, तो केवल औपचारिक समानता पर्याप्त नहीं होती। 'संरक्षणात्मक भेदभाव' के सिद्धांत के तहत अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और बाद में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की गईं। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि पंचायतों में आरक्षण की व्यवस्था सफल रही है: 24 मार्च 2026 तक, निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों में से लगभग 49.75 प्रतिशत महिलाएँ हैं। जिन जगहों पर महिलाएँ शासन करती हैं, वहाँ पानी की आपूर्ति सुचारू होती है, साफ-सफाई की स्थिति बेहतर होती है और लड़कियाँ स्कूल जाना जारी रखती हैं। इसके बावजूद, संसद में भी इसी सिद्धांत को लागू करने के उद्देश्य से जो विधेयक पेश किए गए थे, वे राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में दशकों तक बार-बार निष्प्रभावी होते रहे।

वह क्षण जिसने सब कुछ बदल दिया

वह अधूरी कड़ी 19 सितंबर 2023 को पूरी हुई। भारत के नए संसद भवन में आयोजित कामकाज के पहले ही सत्र में, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को संसद के दोनों सदनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के सर्वसम्मत समर्थन से पारित किया गया। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विधेयक पेश करते हुए दोनों सदनों को बताया: 'यह कानून केवल एक कानून नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक भारतीय महिला की शक्ति, त्याग और सामर्थ्य के प्रति एक श्रद्धांजलि है।'

यह अधिनियम लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करता है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए उप-कोटा भी शामिल है। नए संसद भवन का यह पहला अधिनियम होना अपने आप में एक घोषणा थी: अमृत काल के लोकतंत्र की संरचना पूरे भारत के लिए और सभी की भागीदारी के साथ निर्मित की जाएगी।

इस अधिनियम में बदलाव लाने की अपार क्षमता है, क्योंकि इसके लागू होने से संसद में महिला सदस्यों की संख्या में भारी वृद्धि होगी। महिला विधायक निरंतर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं–ये वही क्षेत्र हैं, जहाँ भारत में लैंगिक असमानता सबसे अधिक है। एक ऐसी संसद, जिसमें एक-तिहाई सदस्य महिलाएँ होंगी, वह अलग तरह के प्रश्न पूछेगी और अलग तरह के विचार सुनेगी। इससे भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता में सुधार होगा, न कि केवल उसकी बाहरी छवि में।

गरिमा से लोकतंत्र तक की यात्रा

हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा यह समझा है कि जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण के बिना राजनीतिक सशक्तिकरण खोखला होता है। उनके द्वारा शुरू की गई यह यात्रा अत्यंत बुनियादी गरिमा से लेकर सर्वोच्च लोकतांत्रिक भागीदारी तक एक सुविचारित पथ पर आगे बढ़ती है। इसकी शुरूआत एक शौचालय से हुई। स्वच्छ भारत मिशन के तहत बनाए गए 10 करोड़ घरेलू शौचालयों ने उन महिलाओं को सुरक्षा और आत्म-सम्मान लौटाया, जिन्हें लंबे समय से इन दोनों से वंचित रखा गया था। जल जीवन मिशन ने 15 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुँचाया। महिलाओं को मीलों पैदल चलकर पानी ढो कर लाने से मुक्ति मिली जिससे उनका सुबह का कीमती समय जाया हो जाता था।

'पीएम उज्ज्वला योजना' के 10.56 करोड़ एलपीजी कनेक्शनों ने महिलाओं को धुएं से भरी रसोई से मुक्ति दिलाई। पीएम आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर घर बनाए गए। 55 प्रतिशत से अधिक महिलाओं के स्वामित्व वाले जन धन खातों ने उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान की। 'मुद्रा' योजना के ऋण, स्वयं सहायता समूह, लखपति दीदी, सखी, वन स्टॉप सेंटर और तीन तलाक का उन्मूलन: प्रत्येक योजना उसी सीढ़ी का अगला पायदान थी, जो उन्हें केवल गुजारा करने की स्थिति से गरिमा की ओर, गरिमा से सामर्थ्य की ओर, और सामर्थ्य से नेतृत्व की ओर निरंतर बढ़ाती गई।

आधुनिक भारत के लिए एक दृष्टिकोण

भारत को 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को तुरंत लागू करने की आवश्यकता है। यह हमारे दौर के सबसे अधिक परिवर्तनकारी संभावित सुधारों में से एक है। महिलाओं के विधायी प्रतिनिधित्व को बढ़ाकर, यह हर स्तर पर नीति-निर्माण में उनकी भागीदारी को बढ़ाएगा: चाहे वे बजट हों जो मातृ स्वास्थ्य के लिए धन उपलब्ध कराते हैं, वे कानून हों जो पीड़ितों की रक्षा करते हैं, या वे नीतियां हों जो लड़कियों को स्कूल में बनाए रखती हैं और उनकी शिक्षा को बढ़ावा देती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का 'विकसित भारत' (2047 तक एक विकसित भारत) का दृष्टिकोण इस दृढ़ विश्वास पर आधारित है कि कोई भी राष्ट्र अपनी पूरी क्षमता तक तब तक नहीं पहुँच सकता, जब तक उसके आधे नागरिक उन जगहों से बाहर रहें जहाँ सत्ता का संचालन होता है।

जैसा कि उन्होंने हमेशा कहा है: 'भारत तभी एक विकसित राष्ट्र बनेगा जब इसकी महिलाएँ न केवल अपने घरों में, बल्कि अपनी संसद में भी पूरी तरह सशक्त होंगी।' नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय महिलाओं के लिए कुछ नया सृजन नहीं करता है। इसने उस विद्वत्ता, साहस और नेतृत्व करने की इच्छाशक्ति के लिए एक संस्थागत स्थान सुनिश्चित कर दिया है, जो महिलाओं में पहले से ही मौजूद है।

शौचालय की गरिमा से लेकर संसद में समान आवाज तक, यह मात्र एक विधायी यात्रा नहीं है। यह एक ऐसे राष्ट्र की कहानी है जिसने अंततः पूर्णता की ओर बढ़ने का निर्णय लिया है।

'आधी आबादी को आखिरकार सुना गया। नजरिया साफ है। ये मुहीम जारी रहेगी।'

(लेखिका महाराष्ट्र सरकार में रेजिडेंट कमिश्नर एवं सचिव पद पर कार्यरत हैं और आईआईटी बॉम्बे से पीएचडी कर रही हैं)

गुरु साहिबानों के सिद्धांतों एवं शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर काम कर रही हैं सरकार : नायब सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिख इतिहास पर आधारित व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों व योजनाओं की प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश व प्रदेश की सरकार गुरु साहिबानों के सिद्धांतों एवं शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर काम कर रही हैं। ऐसा करके गुरु परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन आगे बढ़ाया जा रहा है। इनमें बैसाखी पर्व भी शामिल है। हरियाणा की धरती को भी यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि इसका सिख इतिहास और गुरुओं की परंपरा से गहरा संबंध रहा है। लखनौर साहिब, जो श्री गुरु गोबिंद सिंह का ननिहाल था, आज भी उनकी स्मृतियों को संजोए हुए है। हरियाणा के लोगों ने हमेशा सिख गुरुओं के आदर्शों को अपनाया है और उनके संघर्षों में बढ़-चढकर भाग लिया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को कुरुक्षेत्र के केडीबी मेला ग्राउंड में कला एवं सांस्कृतिक विभाग एवं जिला प्रशासन के तत्वाधान में आयोजित बैसाखी महोत्सव 2026 के राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यातिथि के रूप में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिख इतिहास पर आधारित व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों व योजनाओं की प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने महिला व पुरुषों की दंगल प्रतियोगिता को शुरू करवाया और पतंग उड़ाकर अंतरराष्ट्रीय पतंग प्रतियोगिता का भी शुभारंभ किया। इसके साथ ही हरियाणवी संस्कृति पर आधारित हरियाणा विरासत पवेलियन का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सबसे पहले सब को बैसाखी के पावन पर्व की बधाई दी। इसके साथ ही खालसा पंथ के स्थापना दिवस पर महान गुरुओं के चरणों में नमन किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज को सिख संगत की तरफ से कृपाण, सरोपा तथा खंडा साहिब का स्मृति चिन्ह भेंट किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज भारत एक नए युग की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें गुरु साहिबान की शिक्षाओं, एकता, समर्पण, सेवा और परिश्रम को अपने जीवन में अपनाना होगा। हम सभी को मिलकर ऐसा समाज बनाना होगा, जहां सभी को समान

अवसर मिले, जहां कोई भेदभाव न हो और जहां हर व्यक्ति को सम्मान पूर्वक जीवन जीने का अधिकार हो। उन्होंने कहा कि इन सभी प्रयासों का उद्देश्य केवल विकास करना नहीं है, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़े रहना, अपनी संस्कृति को संजोना और आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना है। जब हम अपने अतीत से प्रेरणा लेते हैं, तभी हम एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की इस कर्मभूमि पर बैसाखी के पावन पर्व पर आप सबके बीच आकर बड़ी खुशी हो रही है। यह वह धरा है, जो धर्म और कर्म की धरती के रूप में जानी जाती है। उन्होंने कहा कि बैसाखी का यह उत्सव नई फसलों और नई उम्मीदों का त्योहार है।

कुरुक्षेत्र की यह धरा बैसाखी के इस पावन अवसर पर आध्यात्मिक ऊर्जा व सांस्कृतिक उल्लास से सराबोर है। यह त्योहार हमारी आस्था, परंपरा और इतिहास का जीवंत प्रतीक है। बैसाखी का पर्व हमें प्रकृति के साथ जुड़ने, श्रम के सम्मान को समझने और समृद्धि का उत्सव मनाने की प्रेरणा देता है। यह दिन किसानों के परिश्रम का उत्सव है, उनकी मेहनत का सम्मान है और उनकी खुशहाली का प्रतीक है। जब खेतों में लहराती फसलें पककर तैयार होती हैं, तो किसान का हृदय गर्व और आनंद से भर उठता है और उसी खुशी को हम सब मिलकर बैसाखी के रूप में मनाते हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खालसा पंथ की स्थापना के समय गुरु साहिब ने पांच प्यारों को चुना, जो विभिन्न जातियों और क्षेत्रों से थे। यह अपने आप में सामाजिक समानता और भाईचारे का एक अद्भुत संदेश था। एक ही बर्तन से अमृत पिलाकर उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि मानव-मानव में कोई भेद नहीं है। उन्होंने कहा कि बैसाखी का यह पावन पर्व हमें यह भी सिखाता है कि हम अपने जीवन में सकारात्मकता लाएं, अपने कर्तव्यों का पालन करें और समाज के उत्थान में अपना योगदान दें। यह पर्व हमें जोड़ने का संदेश देता है, न कि तोड़ने का। यह हमें सिखाता है कि विविधता में एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत भी तीर्थ यात्रा करवाई जाती है। इस योजना के तहत आगामी 5 मई को कुरुक्षेत्र से श्री नांदेड़ साहिब के लिए ट्रेन रवाना की जाएगी। इससे पहले गत 28 मार्च को 700 से ज्यादा श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम के दर्शनों के लिए अंबाला से ट्रेन रवाना की गई थी। उन्होंने कहा कि बैसाखी का यह दिन हमें इतिहास के एक दर्दनाक, लेकिन प्रेरणादायक अध्याय की भी याद दिलाता है, 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में अंग्रेजी हुकूमत ने निर्दोष लोगों पर गोलियां चलाकर एक भीषण नरसंहार किया था। उस दिन हजारों निर्दोष लोग शहीद हुए थे, लेकिन उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उसी बलिदान ने स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा दी और देशवासियों के मन में आजादी की ज्वाला को और प्रज्वलित किया।

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज कुरुक्षेत्र की धरा से एक नई पहल का उद्घाटन बैसाखी मेला के रूप में किया है। बैसाखी उत्सव हमारे लिए गौरवशाली धरोहर का सम्मान है। जो नई फसलों का अभिनंदन, मौसम परिवर्तन का अभिनंदन और खालसा साधना का संदेश है। मुख्यमंत्री के संकल्प नए आदर्श प्रेरणाओं के माध्यम बन रहे हैं। देश की बहुत अधिक ऐसी पहलें एवं दिव्यताएं हैं, जिन्हें देखकर विश्व भारत को अग्रणी मान रहा है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती की पहल हुई थी, अब करीब 40 लाख श्रद्धालुओं का यहां आना-जाना हो रहा है। भगवान श्रीकृष्ण ने विश्व शांति के लिए उपदेश दिया था और आज भी यही धरा विश्व के नागरिकों के लिए अग्रदूत की भूमिका अदा करेगी।

इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन, मुख्यमंत्री के ओएसडी डा. प्रभलीन सिंह, जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी, चेयरमैन धर्मवीर डागर, चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर, उपाध्यक्ष धूमन सिंह किरमच, जयभगवान शर्मा डीडी, प्रदेश सचिव राहुल राणा, बीबी करतार कौर, सरदार हरविंद्र सिंह, कंवलजीत सिंह अजराना, सरदार मनदीप सिंह, सरदान तरणदीप वड़ैच, डा. अवनीत कुमार, जसबीर सिंह वड़ैच, हरमेश सैनी, सौरभ चौधरी, दिलबाग सिंह, परमजीत मक्कड़, नरेंद्र गिल, रजवंत कौर, सिमरनदीप सिंह, निरवैर सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर हरियाणा में चलेगा जागरूकता अभियान

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर 20 अप्रैल, 2026 तक चलाए जाने वाले राज्यव्यापी जागरूकता अभियान की तैयारियों के लिए समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस अभियान के तहत प्रदेशभर में जन-जागरूकता एवं सहभागिता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक के दौरान अधिनियम के बारे में व्यापक जागरूकता फैलाने और विशेष रूप से महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। अभियान के तहत प्रेस कॉन्फ्रेंस, टाउन हॉल बैठकें, महिला सम्मेलन, पदयात्राएं, बाइक एवं स्कूटी रैलियां तथा सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी विभागों के बीच समन्वित प्रयास, प्रभावी जन संपर्क और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह पहल महिला सशक्तिकरण को मजबूत करने और प्रदेशभर में जन-जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम के अनुसार, प्रमुख मीडिया केंद्रों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही हैं, जबकि 12 से 15 अप्रैल तक प्रमुख स्थानों पर टाउन हॉल कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें महिला नेताओं और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। 11 से 16 अप्रैल के बीच महिला सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें महिला वक्ताओं की भागीदारी और समुदाय स्तर पर संवाद पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, 15 और 16 अप्रैल को प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में नारी शक्ति पदयात्राएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें विद्यार्थियों, स्वयं सहायता समूहों, एनसीसी और एनएसएस स्वयंसेवकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

प्रदेश की सभी मंडियों और खरीद केंद्रों में सुचारु चल रहा है खरीद कार्य : नायब सिंह सैनी

- मुख्यमंत्री ने पिपली अनाज मंडी में गेहूं खरीद प्रक्रिया का किया निरीक्षण
- फसल नुकसान एवं भरपाई के लिए 15 अप्रैल तक क्षतिपूर्ति पोर्टल पर आवेदन करें किसान

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में गेहूं खरीद का कार्य सभी मंडियों और खरीद केंद्रों में सफलतापूर्वक बिना किसी रुकावट के निरंतर चल रहा है। इस दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं आ रही है। किसानों की फसल के एक-एक दाने की खरीद की जाएगी।

इस वर्ष रबी खरीद 2026-27 के दौरान 12 अप्रैल तक लगभग 39.65 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है और लगभग 2.44 लाख किसानों का 30.90 लाख मीट्रिक टन गेहूं हेतु बायोमेट्रिक सत्यापन हो चुका है, 10.92 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है और लगभग 188 करोड़ की राशि किसानों के बैंक खाते में सीधे तौर पर स्थानांतरित हो चुकी है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सोमवार को पिपली अनाज मंडी में गेहूं खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने अनाज मंडी के गेट पर गेट पास बनाने की प्रक्रिया को जाना, इसके बाद खरीद व्यवस्था को देखा और किसानों से बातचीत कर अनाज मंडी में गेहूं बेचने के दौरान आने वाली समस्याओं व दिक्कतों को जाना। गेहूं की खरीद 1 अप्रैल से आरम्भ हो चुकी है। भारत सरकार द्वारा गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। राज्य में गेहूं की खरीद के लिए 416 मंडियां एवं खरीद केंद्र के अलावा 264 अतिरिक्त खरीद स्थल भी खोले गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में खरीद प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सुरक्षित तथा किसान हितैषी बनाने के लिए कई नई पहले लागू की हैं। इन उपायों से फसल खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी, अनधिकृत गतिविधियों पर रोक लगेगी तथा किसानों को सुविधाजनक और तेज सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने तीन-स्तरीय फसल सत्यापन प्रणाली को अनिवार्य कर दिया है। इस व्यवस्था के तहत खरीद केंद्रों पर लाई गई फसल का किसान द्वारा पंजीकृत फसल से मिलान सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे फसल सत्यापन प्रक्रिया अधिक सटीक और विश्वसनीय बन रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेमौसमी बारिश के कारण प्रदेश के 4 जिलों फतेहाबाद, हिसार, सिरसा व कुरुक्षेत्र के कुछ गांवों में फसलों को नुकसान होने की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। उन्होंने स्वयं संबंधित जिलों के उपायुक्तों से बात कर स्थिति का पता लगाया और फसलों को हुए नुकसान एवं भरपाई के लिए कुरुक्षेत्र, हिसार, सिरसा व फतेहाबाद के लिए पोर्टल खोला हुआ है। इनमें कुरुक्षेत्र के 6 गांव, फतेहाबाद जिले के 9 गांव, हिसार के 10 गांव तथा सिरसा के 2 गांव शामिल हैं। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान अपनी फसल के नुकसान एवं भरपाई के लिए 15 अप्रैल तक क्षतिपूर्ति पोर्टल पर आवेदन करें।

संक्षिप्त-समाचार

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों आर. विमला के काव्य संग्रह जियो मन का विमोचन

कुरुक्षेत्र। प्रशासनिक जिम्मेदारियों का चक्र दिन-रात चलते रहने के बावजूद अपने भीतर की रचनात्मकता और संवेदनशीलता को जीवित रखने वाली आईएएस आर. विमला के हिंदी काव्य संग्रह जियो मन का विमोचन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों एक भव्य समारोह में संपन्न हुआ। प्रथम अखिल भारतीय मराठी महिला शासकीय अधिकारी साहित्य सम्मेलन के अवसर पर यह विमोचन समारोह आयोजित किया गया। दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में यह विशेष आयोजन हुआ। इस अवसर पर मंच पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ राज्य के मराठी भाषा मंत्री उदय सामंत, सम्मेलन की अध्यक्षा एवं वरिष्ठ लेखिका लीना मेहंदले, पूर्व पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, डॉ. चंद्र त्रिखा, आईएएस सुमेधा कटारिया सहित प्रशासनिक एवं साहित्यिक क्षेत्र की कई नामचीन हस्तियां उपस्थित थीं। आर. विमला का जियो मन काव्य संग्रह मानवीय जीवन के उतार-चढ़ाव, संघर्ष और उससे राह निकालने वाले अदम्य आशावाद का प्रतिबिंब है। मूल रूप से तमिल भाषी होने के बावजूद उन्होंने हिंदी भाषा पर जो प्रभुत्व प्राप्त किया है और उसके माध्यम से जो भाव-संवेदनाएं व्यक्त की हैं, वे विस्मयकारी हैं। इस संग्रह में जीवन के विभिन्न रंगों–प्रेम, वेदना, स्मृति और संघर्ष की यात्रा को शब्दबद्ध किया गया है। हर अंधेरे के बाद एक नई सुबह होती है, यही इस संग्रह का केंद्र बिंदु है और इसमें ऐसी रचनाएं शामिल हैं जो पाठक को अपने स्वयं के अस्तित्व की खोज करने के लिए प्रेरित करती हैं। इस अवसर पर डॉ. चन्द्र त्रिखा व आईएएस सुमेधा कटारिया ने अपने संबोधन में कहा कि आर. विमला ने अपने तीन दशकों के प्रशासनिक करियर में महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया है और यही अनुभव उनकी कविताओं में प्रतिबिंबित होते दिखाई देते हैं। उनकी कविताओं की शैली सरल और सहज है जो सीधे दिल पर असर करती है। उन्होंने जटिल अलंकारिक भाषा के बजाय शब्दों की सच्चाई पर अधिक जोर दिया है। जियो मन उनका दूसरा काव्य संग्रह है, इससे पहले उनका संग्रह मन रचनाएं भी पाठकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय रहा है।

ऑटो अपील सिस्टम के विस्तार की दिशा में हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन और चंडीगढ़ प्रशासन ने किया समझौता

चंडीगढ़। सेवा वितरण में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित करने की दिशा में हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन और चंडीगढ़ प्रशासन के बीच ऑटो अपील सिस्टम के अपनाने और उपयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन स्ताक्षरित किया गया है। आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को समयबद्ध और प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराना है। हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन द्वारा विकसित ऑटो अपील सिस्टम एक तकनीक आधारित नवाचार है, जो निर्धारित समय सीमा में सेवा न मिलने की स्थिति में अपीलों को स्वतः उच्च स्तर पर अग्रेषित करता है। इससे सेवा वितरण व्यवस्था अधिक उत्तरदायी और नागरिक-केंद्रित बनती है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय द्वारा भी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस प्रणाली को अपनाने की सिफारिश की गई है, ताकि सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हो तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिल सके। इसी क्रम में चंडीगढ़ प्रशासन ने इस प्रणाली को अपनाने में रुचि दिखाई, जिसके परिणामस्वरूप यह समझौता संपन्न हुआ।

शिक्षित बनो संगठित रहो और संघर्ष करो नारा बाबा साहेब की दूरगामी सोच है: ईश्वर सिंह

- शिक्षा मानव को बनाती है सभ्य, संस्कारी और आदर्शवादी: ईश्वर सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

13 अप्रैल को अंबेडकर महावीर इंस्टीट्यूट के खेडी मारकंडा स्थित संस्थान में बाबा साहेब भीमराव जी की 136 वीं जयंती मनाई गयी । जिसमें भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की । इस कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब को पुष्प अर्पित कर व दीप प्रज्वलन से की गयी । कार्यक्रम में लोक गायकों व संस्थान के छात्र छात्राओं द्वारा बाबा साहेब की जीवनी पर गीत एवं सांस्कृतिक इवेंट्स की प्रस्तुति से उपस्थित जन समूह भाव विभोर रहा । डॉ रेखा रानी ने मुख्य अतिथि एवं सभी गणमान्य व्यक्तियों स्वागत किया वकहा की डॉ अंबेडकर ने हिन्दू कोड बिल पास न होने पर 1951 में त्याग पत्र दे दिया था. वे चाहते थे की सर्व समाज को समान अधिकार मिले । नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 संसद से पारित हो चूका है जिसमें 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का प्रावधान किया गया है यह वास्तविकता में डॉ साहेब के प्रति भाजपा पार्टी की सच्ची श्रद्धांजलि है । कार्यक्रम के अध्यक्ष ईश्वर सिंह पूर्व सांसद वपूर्व विधायक ने अपने सम्बोधन के माध्यम से शिक्षा के प्रति प्रेरित किया उन्होंने कहा की डॉ अंबेडकर जी के प्रति आमजन में इतना सम्मान है की अब अंबेडकर जी के नाम से शिक्षण संस्थान, पुस्तकालय और संग्रहालय बनाए जा रहे हैं । डॉ अंबेडकर के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने कुरुक्षेत्र में जो संस्थान खोले हैं वो सभी बाबा साहेब के नाम पर हैं. ये डॉ अंबेडकर का नारा था कि शिक्षित बनो संगठित रहो और संघर्ष करो, सच में ये उनकी दूरगामी सोच थी और इससे हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए । क्योंकि शिक्षा ही मनुष्य को सभ्य, संस्कारी और आदर्शवादी बनाती है. अगर देश के लोग शिक्षित एवं संस्कारी होंगे तो हमारे देश की तरक्की को कोई ताकत नहीं रोक सकती। कार्यक्रम के मोहन लाल बडौली ने बताया की भाजपा पार्टी ही एकमात्र पार्टी है जिसने डॉ अंबेडकर जी का सही मायनों में सम्मान किया है आज प्रदेश में राज्य स्तरीय समारोह डॉ साहब की याद में आयोजित किये जाते हैं ये केवल भाजपा की सोच है । भाजपा पार्टी ने 26 अलीपुर रोड़ दिल्ली स्थित डॉ अंबेडकर के निवास को डॉ अंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक बनाने का काम किया । डॉ अंबेडकर 1920-21 में पढ़ाई के दौरान किंग हेनरी रोड़ लन्दन में जिस घर में रहा करते थे उसको महराष्ट्र सरकार ने 2015 में खरीदा है और उसको बाबा साहेब की याद में अंतर्राष्ट्रीय स्मारक बनाया जा रहा है ।

बैसाखी मेले में विरासत ने बनाया हरियाणा पैवेलियन

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सिख गुरुओं की पावन धरा पर 13 और 14 अप्रैल को प्रदेश सरकार की तरफ से बैसाखी महोत्सव 2026 का बड़े स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। इस बैसाखी महोत्सव में प्रदेश की परंपरागत सांस्कृतिक विरासत देखने को मिल रही है। इस बैसाखी महोत्सव में विरासत दि हेरिटेज विलेज कुरुक्षेत्र द्वारा हरियाणा पैवेलियन में सांस्कृतिक प्रदर्शनी हरियाणा के हस्तशिल्प का आकर्षण का केन्द्र बनी है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि विरासत प्रदर्शनी में हरियाणा के गांवों से जुड़ी हुई सभी प्राचीन वस्तुओं का प्रदर्शन किया जा रहा है जो अब लुप्तप्राय हो चुकी हैं। विरासत हेरिटेज विलेज का प्रयास है कि अपनी आने वाली पीढियों के लिए इन वस्तुओं को संजो कर रखा जा सके जिससे वे इनको देखकर इन पर गर्व अनुभव कर सकें। उन्होंने कहा कि इस विरासत प्रदर्शनी के हरियाणा पैवेलियन में मेले का मुख्य आकर्षण हरियाणवी पगड़ी का सेक्शन व सेल्फी प्वाईंट है, जिसमें पगड़ी बंधाओ, फोटो खिंचाओ इवेंट के माध्यम से युवा हरियाणा की पगड़ी परम्परा से रूबरू हो रहे है। इसी के साथ लोक पारंपरिक हस्तकला के अनेक हरियाणवी नमूने हरियाणवी फुलझड़ी, हरियाणवी लोक वेशभूषा प्रदर्शनी में पारंपरिक परिधानों को जीवंत रूप से दिखाने के लिए महिला द्वारा पारंपरिक पहनावे में ग्रामीण जीवन की झांकी प्रस्तुत की गई है। उन्होंने कहा कि इस मेले में हरियाणा की फुलकारी कला को दिखाया गया है, जिसमें शिल्पकार मौके पर ही सुंदर डिजाइन तैयार करते नजर आ रहे है। वहीं कुम्हार द्वारा पारंपरिक चाक पर मिट्टी के बर्तन बनाते देखना दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। मेले में लोहार कला के माध्यम से प्राचीन ताले भी प्रदर्शित कर रहे है, इसके अलावा रथ निर्माण कला के माध्यम से हरियाणा के पारंपरिक परिवहन और उससे जुड़ी कारीगरी को दशार्या गया है।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही इंडी बनाने की पारंपरिक विधि, बिजना और दरी बुनाई जैसे शिल्प, गुड्डा-गुडिया निर्माण, पीढ़ा और चारपाई बुनाई विशेष रूप से खाट (चारपाई) बुनाई का प्रदर्शन भी मेले में जीवंत रूप में देखने को मिल रहे है, खाट एवं पीढ़ा हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं।

हरियाणा की मंडियों में रबी फसल की सफलतापूर्वक खरीद जारी

- अब तक लगभग 2.44 लाख किसानों का 30.90 लाख मीट्रिक टन गेहूं हेतु बायोमेट्रिक सत्यापन, 10.92 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा में रबी खरीद सीजन 2026 - 27 के अंतर्गत प्रदेश भर की मंडियों और खरीद केंद्रों में सफलतापूर्वक सरसों और गेहूं की खरीद की जा रही है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष रबी खरीद 2026 - 27 के दौरान 12 अप्रैल तक लगभग 39.65 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है और लगभग 2.44 लाख किसानों का 30.90 लाख मीट्रिक टन गेहूं हेतु बायोमेट्रिक सत्यापन हो चुका है। 10.92 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है और लगभग 188 करोड़ की राशि किसानों के बैंक खाते में सीधेतौर पर स्थानांतरित हो चुकी है। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य में रबी खरीद सीजन 2026 - 27 के दौरान सरसों की खरीद 28 मार्च 2026 एवं गेहूं की खरीद 1 अप्रैल से आरम्भ हो चुकी है। भारत सरकार द्वारा सरसों एवं गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य क्रमशः 6200 और 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। राज्य में सरसों की खरीद के लिए 112 मंडियों/खरीद केंद्र खोले गए हैं तथा गेहूं की खरीद के लिए 416 मंडियां एवं खरीद केंद्र के अलावा 264 अतिरिक्त खरीद स्थल भी खोले गए हैं। राज्य में सरसों की खरीद हैफेड एवं गेहूं की खरीद खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, हैफेड, हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन तथा भारतीय खाद्य निगम द्वारा की जा रही है। पिछले वर्ष रबी खरीद सीजन 2025 - 2026 के दौरान 12 अप्रैल 2025 तक राज्य भर की मंडियों में लगभग 20.39 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई थी।

पीएम गतिशक्तिः हरियाणा में तेज हुआ बुनियादी ढांचे का विकास

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा में पीएम गतिशक्ति पहल के तहत बुनियादी ढांचा विकास को तेज करते हुए 42 प्रमुख परियोजनाओं को मैप किया गया है, जबकि 40 अन्य परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज विभिन्न विभागों में प्रगति की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता करते हुए परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित इस बैठक में एकीकृत योजना, विभागों के बीच समन्वय को बेहतर बनाने और परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्य सचिव ने कहा कि सभी प्रमुख परियोजनाओं के लिए पीएम गतिशक्ति को केंद्रीय योजना उपकरण के रूप में अपनाया जाए, जिससे पारदर्शिता, दक्षता और बेहतर परिणाम सुनिश्चित किए जा सकें। उन्होंने परियोजनाओं की कड़ी निगरानी, बेहतर समन्वय और समय पर पूरा करने पर बल देते हुए कहा कि पीएम गतिशक्ति के प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल बुनियादी ढांचा विकास को गति मिलेगी, बल्कि यह निवेश को आकर्षित करने, रोजगार सृजन और हरियाणा को लॉजिस्टिक्स व औद्योगिक विकास के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने में भी सहायक होगा।

मुख्य सचिव ने दोहराया कि 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली सभी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पीएम गतिशक्ति प्लेटफॉर्म के माध्यम से ही आगे बढ़ाया जाएगा। इन परियोजनाओं की समीक्षा नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप और एम्पावर्ड ग्रुप ऑफ सेक्रेटरीज जैसे तंत्रों के माध्यम से की जाएगी, ताकि एकीकृत योजना और समयबद्ध स्वीकृति सुनिश्चित की जा सके।

पीएम गतिशक्ति एक जीआईएस आधारित प्लेटफॉर्म है, जिसमें 2,400 से अधिक डेटा लेयर एकीकृत हैं। यह प्लेटफॉर्म विभागों को रियल-टाइम

जानकारी उपलब्ध कराते हुए वैज्ञानिक और डेटा-आधारित निर्णय लेने में सहायता करता है। यह प्लेटफार्म बुनियादी ढांचे की कमी की पहचान और बेहतर रूट प्लानिंग में सहायता करता है, जिससे परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आती है।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि 42 मैप की गई परियोजनाएं 11 विभागों से संबंधित हैं, जिनमें लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़क), सिंचाई, शहरी स्थानीय निकाय, ऊर्जा और एचएसआईआईडीसी शामिल हैं। इसके अलावा विभिन्न विभागों की 40 अन्य परियोजनाओं को भी चरणबद्ध तरीके से प्लेटफॉर्म में शामिल किया जाएगा।

बैठक में क्षमता निर्माण और संस्थागत सुदृढ़ीकरण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अब तक 36 विभागों के 500 से अधिक अधिकारियों को 100 से अधिक बैठकों और कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है, जिससे मुख्यालय और फील्ड स्तर पर प्लेटफॉर्म का व्यापक उपयोग सुनिश्चित हुआ है।

बैठक में पीएम गतिशक्ति के जमीनी प्रभाव को दशार्ने वाली व्यावहारिक केस स्टडी भी प्रस्तुत की गई। एक केस स्टडी में ऐसे गांवों की पहचान की गई जहां बस क्यू शेल्टर और सार्वजनिक परिवहन की सुविधा नहीं थी। इससे कनेक्टिविटी में सुधार हुआ और यात्रा दूरी लगभग 9.5 किलोमीटर से घटकर करीब 2 किलोमीटर रह गई, जिससे नागरिकों की परिवहन लागत में भी कमी आई।

इस प्लेटफॉर्म का उपयोग प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की सटीक योजना बनाने के लिए भी किया जा रहा है। फर्रुखनगर की 12.11 किलोमीटर लंबी ग्रीनफील्ड रिंग रोड परियोजना की योजना भी इसी प्लेटफॉर्म के माध्यम से तैयार की गई है।

बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों में ग्रीनफील्ड औद्योगिक पार्कों की योजना की भी समीक्षा की गई। नारायणगढ़, रेवाड़ी, अंबाला, फरीदाबाद, जींद और सोनीपत में प्रस्तावित परियोजनाओं से निवेश बढ़ने, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

राज्य ने डेटा गवर्नेंस को भी मजबूत करते हुए 396 महत्वपूर्ण डेटा लेयर की पहचान की है तथा डेटा गुणवत्ता सुधारने के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं लागू की हैं।

बैठक में पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल तथा लोक निर्माण (भवन एवं सड़क) विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री ए.के. सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने खुद संभाली झाड़ू स्वच्छता के लिए लोगों को किया प्रेरित

मुख्यमंत्री का जन-आह्वान: 'स्वच्छता केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं'

एजेंसी (हि.स.)
देहरादून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार सुबह देवभूमि की राजधानी देहरादून में स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बल्लूपुर चौक पर नगर निगम द्वारा आयोजित विशेष अभियान में शामिल होकर उन्होंने न केवल झाड़ू उठाई, बल्कि प्रदेशवासियों को स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित भी किया।

अभियान के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता एक ऐसी मुहिम है जो केवल सरकारी बजट या विभागीय प्रयासों से पूर्णतः सफल नहीं हो सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक समाज का हर व्यक्ति 'स्वच्छता' को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं मानेगा, तब तक हम एक स्थायी परिवर्तन नहीं ला पाएंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार का संकल्प प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन को उत्तराखंड के हर गांव और हर गली तक पहुँचाना है। धामी ने आगे कहा कि इस तरह के 'स्वेच्छा से स्वच्छता' जैसे अभियान समाज में एक सकारात्मक मनोवैज्ञानिक बदलाव लाते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि लोग अपने घर के साथ-साथ अपने मोहल्ले और सार्वजनिक स्थलों को भी उतना ही साफ रखने का प्रण लें।

नगर निगम देहरादून का 7 दिवसीय विशेष अभियान संपन्न

फोटोः हि.स.

नगर निगम देहरादून द्वारा 7 अप्रैल से शुरू हुआ यह 'स्वेच्छा से स्वच्छता' अभियान आज 13 अप्रैल को मुख्यमंत्री की उपस्थिति के साथ अपने समापन पर पहुँचा। इस एक सप्ताह के भीतर निगम ने शहर के विभिन्न वार्डों में युद्ध स्तर पर सफाई अभियान चलाया। शहर के प्रमुख डंपिंग पॉइंट और संवेदनशील इलाकों से कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया गया। स्कूलों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटकों और कार्यशालाओं के माध्यम से नागरिकों को सूखा और गीला कूड़ा अलग-अलग करने के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 की तैयारी: निगम अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का एक मुख्य उद्देश्य आगामी 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2026' के लिए शहर की रैंकिंग में सुधार करना और बुनियादी सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करना है।

बल्लूपुर चौक पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ शासन और प्रशासन के कई दिग्गज मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, मेयर सौरभ थपलियाल और विधायक सविता कपूर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी श्रमदान किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वच्छता अभियान केवल विशेष आयोजनों तक सीमित न रहे, बल्कि इसे एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया बनाया जाए। विशेष रूप से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित देहरादून दौरे (14 अप्रैल) से ठीक पहले शहर के सौंदर्यीकरण और सफाई पर मुख्यमंत्री का यह सीधा हस्तक्षेप प्रशासनिक सक्रियता को भी दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि देवभूमि को स्वच्छ और हरा-भरा रखना हर उत्तराखंडी का कर्तव्य है, ताकि यहां आने वाले पर्यटक और श्रद्धालु एक गौरवशाली अनुभव लेकर लौटें।

हंगरी के संसदीय चुनाव में 16 वर्ष से सत्तारूढ़ ओर्बान की पार्टी की पराजय

एजेंसी (हि.स.)
बुडापेस्ट

हंगरी में संसदीय चुनाव के लिए रविवार को हुए मतदान के लगभग सभी नतीजे सामने आ गए हैं। देश की जनता ने 16 वर्ष से सत्तारूढ़ प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बान को हराकर विपक्षी पार्टी तिसा के नेता पीटर माग्यार को जनादेश सौंपा है। ओर्बान की हार से अमेरिका को तगड़ा झटका लगा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने तो मतदान से पहले ही विक्टर ओर्बान को हंगरी अगला प्रधानमंत्री घोषित कर दिया था।

द बुडापेस्ट टाइम्स और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इस चुनाव में तिसा पार्टी ने 138 सीटें हासिल कर ली हैं। यह दो-तिहाई बहुमत के लिए काफी है। फिडेज-केडीएनपी गठबंधन ने 54 और मी हजांक ने सात सीट हासिल की हैं। अपनी हार स्वीकारते हुए प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बान ने बुडापेस्ट के बाल्ना बुडापेस्ट में समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने जनादेश का स्वागत करते हुए मतदाताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा, हमारे लिए यह नतीजा दुखद है। उन्होंने कहा कि वह विपक्ष में रहते हुए मातृभूमि और हंगेरियन राष्ट्र की सेवा करते रहेंगे। इस बीच, तिसा

फोटोः हि.स.

पार्टी के नेता पीटर मग्यार ने रविवार शाम बुडापेस्ट के बल्थानी स्क्वायर पर जबरदस्त जीत की घोषणा की। उन्होंने समर्थकों से कहा, हमने भारी बहुमत से चुनाव जीत लिया है। हमने हंगरी को आजाद कराया है। उन्होंने कहा कि हंगरी के लोकतांत्रिक इतिहास में इससे पहले कभी भी इतना भारी मतदान नहीं हुआ। लगभग 33 लाख मतदाताओं ने जनादेश सौंपा है। उधर, जब ओर्बान ने अपने प्रतिद्वंद्वी पीटर के सामने हार मान ली तो कुछ लोगों को यह सत्ता परिवर्तन जैसा लगा। लेखक और कवि आंद्रास पेटोक्ज ने कहा कि इस एहसास ने उन्हें सोवियत संघ के पतन के समय बुडापेस्ट में होने की याद दिला दी। उन्होंने कहा, जब कम्युनिस्ट शासन खत्म हुआ, तब मैं 30 साल का था।

यह बिल्कुल वैसा ही एहसास है- बिल्कुल वैसा ही। वह कहते हैं कि इस चुनाव का पहला सबक यह है कि राष्ट्रवाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाना मुश्किल है। राष्ट्रीय संप्रभुता के रक्षक के रूप में इतने लंबे समय तक शासन करने के बावजूद यूरोपीय संघ और उदारवादी विचारधारा के कथित खतरों से हंगरी की रक्षा करने का संकल्प लेते हुए ओर्बान का चुनावी अभियान अंततः संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस में स्थित अपने शक्तिशाली अंतरराष्ट्रीय समर्थकों के सहारे ही चला। इस चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भरपूर दिलचस्पी ली। उन्होंने अपने सोशल ट्रुथ पर मतदाताओं से कहा, बाहर निकलो और विक्टर को वोट दो। वह सच्चा दोस्त, योद्धा और विजेता है।

महिला आरक्षण नहीं, परिसीमन असली मुद्दा: सोनिया गांधी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि देश में मौजूदा राजनीतिक बहस का केंद्र महिला आरक्षण नहीं, बल्कि परिसीमन होना चाहिए। बिना पारदर्शी प्रक्रिया, स्पष्ट मानकों और व्यापक सहमति के किया गया परिसीमन न केवल राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व के संतुलन को बिगाड़ सकता है, बल्कि यह संघीय ढांचे और संवैधानिक व्यवस्था पर भी असर डाल सकता है। उन्होंने इसे एक गंभीर और दूरगामी प्रभाव वाला मुद्दा बताया।

सोनिया ने एक अंग्रेजी अखबार में लिखे अपने लेख में कहा कि सरकार महिला आरक्षण के मुद्दे को प्रमुखता देकर असली चिंता से ध्यान हटा रही है। महिला आरक्षण का प्रावधान पहले ही पारित किया जा चुका है, लेकिन इसके क्रियान्वयन को जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया से जोड़ दिया गया है, जिससे इसमें अनावश्यक देरी हो रही

है। उन्होंने लिखा कि साल 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने का प्रावधान है, लेकिन इसे लागू करने के लिए अगली जनगणना और उसके बाद परिसीमन अनिवार्य कर दिया गया है। जब राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो इसे पहले भी लागू किया जा सकता था। सोनिया गांधी ने कहा कि परिसीमन की प्रक्रिया को लेकर अब तक कोई आधिकारिक खाका सामने नहीं आया है। यह केवल जनसंख्या के आधार पर सीटों का बंटवारा करने का मामला नहीं है, बल्कि इसमें राजनीतिक और क्षेत्रीय संतुलन का भी ध्यान रखना जरूरी है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोमवार शुरूआती कारोबार के दौरान सोने और चांदी के भाव में मामूली कमजोरी नजर आ रही है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना सोमवार 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना सोमवा र 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु सोमवा र दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में सोमवा र 24 कैरेट सोना 1,52,980 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

छत्तीसगढ़ में पांच लाख की इनामी नक्सली 'रूपी' मुठभेड़ में ढेर

एजेंसी (हि.स.)
कांकेर

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सोमवार सुबह नक्सल प्रभावित छोटेबेठिया क्षेत्र के जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में पांच लाख रुपये की इनामी प्रतापपुर एरिया कमेटी मेंबर कैडर की सक्रिय महिला नक्सली 'रूपी' मारी गई। पुलिस ने घटनास्थल से उसका शव बरामद कर लिया है। मौके से एक रिवाल्वर भी बरामद किया गया है।

सुरक्षाबलों को छोटेबेठिया इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद विशेष टीम द्वारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। जंगल में घेराबंदी के दौरान नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ में महिला नक्सली रूपी मारी गई। यह घटना सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को सशस्त्र

माओवादियों से मुक्त घोषित किए जाने के ठीक 12 दिन बाद सामने आई है। कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए कहा कि नक्सलियों को बार-बार आत्मसमर्पण का अवसर दिया गया। मुठभेड़ के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन और तेज कर दिया गया है। उन्होने कहा कि क्षेत्र में अन्य नक्सलियों की मौजूदगी हो सकती है, जिन्हें पकड़ने या निष्क्रिय करने के लिए अभियान लगातार चलाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग हिंसा का रास्ता नहीं छोड़ेंगे, उनके खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। मारी गई नक्सली की पहचान रतापुर एरिया कमेटी की सक्रिय सदस्य रूपी रेड्डी के रूप में हुई है। वो लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर थी। बस्तर क्षेत्र में बड़े कैडर के ज्यादातर नक्सलियों के मारे जाने या सरेंडर के बाद वह प्रमुख सक्रिय कैडर में से एक मानी जा रही थी। महिला नक्सली रूपी स्टेट कमेटी मेंबर (एससीएम) विजय रेड्डी की पत्नी थी। एससीएम विजय रेड्डी राजनांदगांव और मोहला-मानपुर-चौकी जिले में हुई मुठभेड़ में मारा गया था। पुलिस अधिकारीयों के अनुसार विजय रेड्डी की पत्नी रूपी ही उत्तर बस्तर कांकेर में नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने से रोक रही थी।

संक्षिप्त-समाचार

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे हैं सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। सोमवार के कारोबार की शुरूआत लगभग दो प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी थोड़ी और बढ़ी। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे दोनों सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। इस लिवाली के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी की स्थिति में बहुत अधिक सुधार नहीं हो सका है। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.65 प्रतिशत और निफ्टी 1.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। सोमवार प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एशियन पेंट्स, आयशर मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक, श्रीराम फाइनेंस और बजाज ऑटो के शेयर 4.01 प्रतिशत से लेकर 3.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, कोल इंडिया, सन फार्मास्युटिकल्स, इंफोसिस, टीसीएस और टेक महिंद्रा के शेयर 4.40 प्रतिशत से लेकर 1.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,793 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 508 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,285 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से सिर्फ एक शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में था। दूसरी ओर 29 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से आठ शेयर हरे निशान में और 42 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

पेड़ से लटकता मिला युवक-युवती का शव, जांच में जुटी पुलिस

रांची। पुलिस ने सोमवार को रांची के बुंडू थाना क्षेत्र के माझी टोला स्थित पगला बाबा मैदान के पेड़ में फंदे से लटकता युवक-युवती का शव बरामद किया है। मृत युवती का नाम आरती कुमारी(17) और युवक की पहचान अर्जुन पाहन (25) के रूप में हुई है। युवती बुंडू के निउरी गांव की रहने वाली थी। युवती की शादी तय हो चुकी थी। युवती को लड़का पक्ष देखने आने वाला था। अर्जुन युवती का जीजा है। मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने सुबह पेड़ पर युवक-युवती का शव लटकता देखा। इसके बाद मामले की जानकारी बुंडू थाने की पुलिस को दी। सूचना पाकर बुंडू थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पेड़ से उतारकर जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के संबंध में बुंडू थाना प्रभारी ने बताया प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग में खुदकुशी का प्रतीत हो रहा है। पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। मृत युवक-युवती जीजा -साली थे।

भाई ने की फुफेरी बहन की धारदार हथियार से मारकर हत्या, फिर की खुदकुशी

पलामू। पलामू के मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बहन की हत्या करने के बाद एक भाई ने ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर ली। घटना बखारी रेलवे लाइन और पिपरडीह गांव की है। रेलवे लाइन से युवक का शव बरामद हुआ, जबकि गांव में युवक के घर के कमरे में बेड से लड़की का शव मिला। लड़की की धारदार हथियार से हत्या की गई थी। शव खून से लथपथ पाई गई। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच में भेज दिया है। पूरे मामले में जांच की जा रही है। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। हत्या और खुदकुशी का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। युवक की पहचान पिपरडीह गांव निवासी बिट्टू कुमार सिंह(23), पिता स्वर्गीय शिव शंकर कुमार सिंह और लड़की की शिनाख्त खुशबू कुमारी (16), पिता दीपक सिंह के रूप में हुई है। लड़की लातेहार के बरवाडीह थाना क्षेत्र के डोरामी की रहने वाली थी। हत्या करने वाला युवक लड़की का बुआ का लड़का था। मृतका ममेरी बहन थी। बिट्टू और उसके परिवार के लोगों ने काम करने के लिए एक सप्ताह पहले खुशबू को घर बुलाया था। घटना देर रात की बताई गई है। लड़की की मौत की जानकारी सोमवार सुबह हुई। युवक का शव भी घर से दो किलोमीटर दूर रेलवे लाइन से सुबह बरामद हुआ है। मरने वाला युवक ग्रेजुएशन किया था। उसके दो और भाई हैं। सदर थाना प्रभारी लाल जी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि युवक ने पहले नाबालिक लड़की की हत्या की उसके बाद खुद भी ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर ली। उन्होंने कहा कि घटना की जानकारी तड़के सुबह करीब 3:00 बजे मिली। पुलिस मौके पर पहुंची। पहले लड़की शव बरामद किया गया। बाद में पता चला कि युवक का भी शव रेलवे लाइन पर पड़ा है। दोनों फुफेरे भाई बहन थे। घटना के समय दोनों एक ही कमरे में थे। मामला प्रेम प्रसंग प्रतीत होता है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

शिल्पांचल में अवैध वसूली नेटवर्क सक्रिय ईडी जांच में चौंकाने वाले खुलासे

आसनसोल। पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर-आसनसोल कोयला क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय अवैध वसूली के विशाल नेटवर्क का बड़ा खुलासा हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कोलकाता इकाई ने इस मामले में नौ अप्रैल 2026 को विशेष पीएमएलए अदालत में चिनमय मंडल, किरण खान समेत पांच आरोपितों के खिलाफ प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट दाखिल कर दी है, जिससे पूरे कोयला सिंडिकेट की परतें खुलने लगी हैं। जांच की जड़ें ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (इसीएल), सीआइएसएफ और स्थानीय पुलिस द्वारा दर्ज 54 एफआइआर से जुड़ी हैं। ईडी के मुताबिक, इन एफआइआर के आधार पर सामने आया कि क्षेत्र में एक संगठित गिरोह वर्षों से वैध कोयला कारोबार की आड़ में जबरन वसूली चला रहा था। यह नेटवर्क कोयला खरीदारों और ट्रांसपोर्टरों से 275 से डेढ़ हजार रुपये प्रति टन तक वसूली करता था, जिसे स्थानीय स्तर पर 'जीटी' यानी 'गुंडा टैक्स' कहा जाता था। ईडी का दावा है कि पिछले पांच वर्षों में इस अवैध वसूली के जरिए 650 करोड़ रुपये से अधिक की काली कमाई की गई। इस रकम को छिपाने के लिए 'हैंडलिंग चार्ज' और 'डोनेशन' जैसे नामों का इस्तेमाल किया जाता था, जिससे अवैध लेन-देन को वैध दिखाया जा सके। जांच के दौरान नवंबर 2025 और फरवरी 2026 में की गई छापेमारी में 17.57 करोड़ रुपये की नकदी, बैंक बैलेंस और कीमती सामान जब्त किए गए, जबकि बड़ी मात्रा में कोयला और कोक भी बरामद हुआ।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

अमेरिका और इजरायल के बीच शांति वार्ता विफल हो जाने के कारण ग्लोबल मार्केट से सोमवार को कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि पिछले कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को अमेरिकी और यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। लेकिन अब शांति वार्ता विफल हो जाने के कारण बाजार ग्लोबल मार्केट में दबाव बन गया है। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बड़ी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह एशियाई बाजार में भी सोमवार को आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए पाकिस्तान में होने वाली शांति वार्ता को लेकर बने सस्पेंस के बीच अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान सीमित दायरे में कारोबार होता रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स पिछले सत्र के

फोटोः हि.स.

दौरान 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,816.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.35 प्रतिशत उछल कर 22,902.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। हालांकि अब शांति वार्ता के विफल हो जाने के बाद डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल यह सूचकांक 344.57 अंक यानी 0.72 प्रतिशत टूट कर 47,570 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 10,600.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 23,803.95 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसीइंडेक्स 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,259.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

स्टॉक मार्केट में एमियाक टेक्नोलॉजीज की प्रीमियम एंट्री मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। डिजिटल मार्केट सॉल्यूशन का काम करने वाली कंपनी एमियाक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों ने सोमवार को स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 98 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। सोमवार को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 10 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 107.80 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का जोर बन जाने के कारण ये शेयर उछल कर 11 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। सुबह 10.23 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 109 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक 11.22 प्रतिशत के फायदे में थे। एमियाक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का 31.75 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 मार्च से 8 अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.02 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था।

होर्मुज की नाकेबंदी से पहले कच्चा तेल 104 डॉलर प्रति बैरल पार

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट व अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता बिना किसी समझौते के खत्म होने का असर कच्चे तेल की कीमतों पर दिखने लगा है। सोमवार को कच्चे तेल का दाम 104 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने होर्मुज तक जहाजों की पहुंच रोकने के लिए कदम उठाने की बात कही।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुरूआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड करीब 8 फीसदी की तेजी के साथ 104 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जबकि यूएस बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड में 8.61 फीसदी की तेजी आई है। फिलहाल ब्रेंट क्रूड का भाव 7.07 डॉलर यानी 7.43 फीसदी की तेजी के साथ 102.3 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड 8.32 डॉलर यानी 8.62 फीसदी की उछाल के साथ 104.2 डॉलर पर पहुंच गया है। जानकारों का कहना है कि ऑयल मार्केट सीजफायर से पहले वाली स्थिति में पहुंच चुका है।

प्रीमियम एंट्री के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में लुढ़के सेफ्टी कंट्रोल्स के शेयर

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी सेफ्टी कंट्रोल्स एंड डिवाइसेज के शेयर सोमवार को स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करने में सफल रहे। हालांकि शुरूआती तेजी के बाद प्रॉफिट बुकिंग के कारण हुई बिकवाली की वजह से ये शेयर गिर कर लाल निशान में पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 80 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। सोमवार को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 3.75 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 83 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से कंपनी के शेयर उछल कर 84.40 रुपये के स्तर तक पहुंचे। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसके कारण इस शेयर के भाव में गिरावट आ गई। दोपहर 11:15 बजे तक कारोबार होने के बाद सेफ्टी कंट्रोल्स के शेयर 79.16 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक का कारोबार

फोटोः हि.स.

होने के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 1.05 प्रतिशत का नुकसान हो चुका था।

सेफ्टी कंट्रोल्स का 48 करोड़ रुपये का आईपीओ छह से आठ अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.28 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.31 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.45 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.76 गुना सब्सक्राइब हो सका था।

गैस रिसाव

खंडवा में मालगाड़ी के वैगन से एलपीजी गैस रिसाव

तीन घंटे चला रेस्क्यू, राजधानी समेत 6 ट्रेनें प्रभावित

आउटर पर स्टाफ बदलते समय हुआ रिसाव का खुलासा

एजेंसी (हि.स.)
खंडवा

मध्य प्रदेश के खंडवा रेलवे स्टेशन के आउटर पर रविवार रात एलपीजी गैस से भरी मालगाड़ी के एक वैगन में रिसाव होने से अफरा-तफरी मच गई। समय रहते रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता और प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से संभावित बड़ा हादसा टल गया। दरअसल महाराष्ट्र के पनवेल से जबलपुर (भिटौनी) जा रही भारत पेट्रोलियम की मालगाड़ी में 32 वैगन थे। रात करीब 9:30 बजे ट्रेन आउटर पर खड़ी थी, तभी स्टाफ बदलने के दौरान गैस की तेज गंध महसूस हुई। जांच में एक वैगन से एलपीजी गैस रिसाव की पुष्टि हुई। जानकारी के अनुसार, शिफ्ट खत्म होने पर ट्रैक चेक कर रहे एक रेलवे कर्मचारी ने पहले गैस

फोटोः हि.स.

की आवाज और फिर तेज गंध महसूस की। पास जाकर देखने पर एक वैगन से तेजी से गैस निकलती दिखाई दी। कर्मचारी ने तुरंत स्टेशन प्रबंधन को सूचना दी, जिसके बाद पूरे सिस्टम को अलर्ट कर दिया गया। सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी, स्टेशन प्रबंधक अरविंद साहा, आरपीएफ और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। कलेक्टर ऋषव गुप्ता और एसपी मनोज कुमार राय ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेराबंदी में लिया गया और आम लोगों की आवाजाही रोक दी गई। तीन घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशनगंभीर स्थिति को देखते हुए रेलवे और डिजास्टर मैनेजमेंट टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। रेलवे और प्रशासनिक अधिकारियों ने 3 घंटे की मशक्कत के बाद लीकेज वाले 1 वैगन को बाकी 31 वैगन से अलग कर आइसोलेट किया। एहतियात के तौर पर लीकेज वाले वैगन को गीले बारदान (बोरियों) और गीली बालू रेत से ढंक दिया गया। लीकेज वैगन को अलग करने और स्थिति को सुरक्षित करने में प्रशासन को करीब 3 घंटे का समय लगा। स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित करने के लिए औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर से तकनीकी विशेषज्ञों की टीम को बुलाया गया और बाकी 31 वैगन वाली ट्रेन को जबलपुर रवाना कर रात 12:30 बजे के बाद इस रूट पर ट्रेनों की आवाजाही बहाल कर दी गई है। 3 घंटे प्रभावित रहा रेल यातायातरात 12:30 बजे अधिकारी मौके से रवाना हुए। इस पूरे घटनाक्रम के कारण रेलवे यातायात भी बाधित हुआ और राजधानी व मंगला एक्सप्रेस सहित कुल 6 ट्रेनें प्रभावित रहीं। कई ट्रेनों को आउटर और नजदीकी स्टेशनों पर रोकना पड़ा। करीब रात 12:30 बजे स्थिति नियंत्रण में आने के बाद ट्रेनों की आवाजाही बहाल की गई। कलेक्टर बोले– एक वैगन ही गंभीर खतरनाक थामौके पर पहुंचे कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि, 32 वैगन वाली ट्रेन में एलपीजी गैस भरी हुई थी। एक वैगन में लीकेज पाया गया। जिसे आइसोलेट करके फर्स्ट एड के रूप में गीली बोरियों से ढ़का गया हैं। औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर से टेक्निकल टीम को बुलाया गया है। टीम वहां से रवाना हो गई हैं। एक वैगन में इतनी गैस भरी रहती है कि, यदि हादसा होता तो पूरा शहर दहल सकता था।

मास्टर्स 2026: रॉरी मैकइलरॉय का ऐतिहासिक प्रदर्शन, लगातार दूसरी बार 'ग्रीन जैकेट' पर कब्जा

संकट से उबरकर मैकइलरॉय की यादगार वापसी

दुनिया के नंबर-1 स्कॉटी शेफलर को दी पटखनी

एजेंसी (हि.स.)

ऑगस्टा

रॉरी मैकइलरॉय ने शानदार जुझारूपन का प्रदर्शन करते हुए मास्टर्स 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने लगातार दूसरी बार यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता और टाइगर वुड्स के बाद ऐसा करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए। यह उनके करियर का छठा मेजर खिताब है।

विश्व नंबर-2 मैकइलरॉय की शुरूआत चुनौतीपूर्ण रही। उन्होंने चौथे होल पर डबल बोगी और छठे होल पर बोगी कर दी, लेकिन इसके बाद जबरदस्त वापसी करते हुए अगले सात होल में चार बर्डी लगाईं। अंतिम दौर में एक अंडर पार 71 का स्कोर बनाकर उन्होंने कुल 12 अंडर पार 276 के साथ खिताब जीता। उन्होंने विश्व नंबर-1 स्कॉटी शेफलर को एक स्ट्रोक से हराया। शेफलर ने 68 का शानदार राउंड खेला और कुल 277 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। पिछले वर्ष प्लेऑफ में जीत दर्ज करने वाले मैकइलरॉय ने इस बार शुरू से अंत तक बढ़त बनाए रखी। उन्होंने कहा कि एक ग्रीन जैकेट के लिए 17 साल का इंतजार करना पड़ा, लेकिन अब लगातार दो जीत मिलना उनके लिए बेहद खास है। टूर्नामेंट के चेयरमैन फ्रेड रिडले ने उन्हें ग्रीन जैकेट पहनाई। मैकइलरॉय ने पहले दो दिन में ही मजबूत बढ़त बना ली थी और सप्ताहांत में संयमित खेल दिखाते हुए जीत सुनिश्चित की। अंतिम होल पर उनका शॉट पेड़ों के पार चला गया, लेकिन दबाव में शानदार वापसी करते हुए उन्होंने बंकर से गेंद निकालकर दो पुट में बोगी के साथ जीत हासिल की। तीसरे स्थान पर टाइरेल हैटन, जस्टिन रोज, रसेल हेनले और कैमरन यंग संयुक्त रूप से 278 के स्कोर के साथ रहे। जीत के बाद मैकइलरॉय ने अपनी बेटी और पत्नी को गले लगाकर खुशी जाहिर की। यह उनके करियर के सबसे भावुक पलों में से एक रहा।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम घोषित

जुऐरिया फर्डौस नया चेहरा

एजेंसी (हि.स.)

ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने रविवार को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में 20 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज जुऐरिया फर्डौस को पहली बार शामिल किया गया है। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में दाएं हाथ की बल्लेबाज शर्मीन सुल्ताना की सात साल बाद एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है, जिससे टीम के बल्लेबाजी क्रम को अनुभव मिलेगा। टीम की कप्तानी निगार सुल्ताना जोटी के हाथों में होगी, जबकि नाहिदा अख्तर उपकप्तान रहेंगी।

फोटोः हि.स.

बांग्लादेश एकदिवसीय टीम

निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर (उपकप्तान), फरजाना हक, शोभना मोस्टरी, फहीमा खातून, शारमिन अख्तर सुप्ता, रितु मोनी, शोर्ना अख्तर, राबेया खान, शर्मिन सुल्ताना, मरुफा अख्तर, फरिहा इस्लाम त्रिस्ना, सुल्ताना खातून, शांजिदा अख्तर माघला, जुऐरिया फर्डौस।

जुऐरिया फर्डौस अब तक बांग्लादेश के लिए सात अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले खेल चुकी हैं और इस एकदिवसीय टीम में शामिल एकमात्र नई खिलाड़ी हैं। उनका चयन यह संकेत देता है कि चयनकर्ता आगामी व्यस्त सत्र को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों को अवसर देना चाहते हैं। श्रीलंका की टीम 17 अप्रैल को बांग्लादेश पहुंचेगी और सीधे राजशाही जाएगी, जहां वनडे सीरीज का आयोजन होगा। दोनों टीमें सीरीज से पहले दो दिन अभ्यास करेंगी। तीन मैचों की यह श्रृंखला 20, 22 और 25 अप्रैल को राजशाही डिवीजनल स्टेडियम में खेली जाएगी। सभी मुकाबले सुबह 9:30 बजे से शुरू होंगे। इसके बाद 26 अप्रैल से दौरा सिलहट में होगा, जहां तीन मैचों की टी-20 सीरीज सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। श्रीलंका की टीम 3 मई को दौरा समाप्त कर वापस लौटेगी।

एमबाप्पे की बराबरी करने से केवल दो गोल पीछे हैं वेदात मुरीकी

एजेंसी (हि.स.)

मैड्रिड

फोटोः हि.स.

वेदात मुरीकी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मालोर्का की तरफ से दो गोल किए जिससे वह स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के इस सत्र में सर्वाधिक गोल करने के काइलिन एमबाप्पे के रिकॉर्ड के करीब पहुंच गए हैं। मुरीकी के दो गोल की मदद से मालोर्का ने रायो वैलेकानो को 3-0 से हराया।

कोसोवो के स्ट्राइकर ने पहले हाफ के आखिर में चार मिनट के अंतराल पर दो गोल दागे। ये लीग में उनके इस सत्र में 20वें और 21वें गोल थे। इस तरह से वह एमबाप्पे के 23 गोल से सिर्फ दो गोल पीछे हैं। रियाल मैड्रिड के फॉरवर्ड एमबाप्पे शुक्रवार को गिरोना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में कोई गोल नहीं कर पाए थे। उन्होंने फरवरी के बाद से इस प्रतियोगिता में कोई गोल नहीं किया है। मुरीकी ने मालोर्का के लिए अपने पिछले दो मैचों में तीन गोल किए हैं। उन्होंने पिछले सप्ताहांत रियाल मैड्रिड के खिलाफ टीम की 2-1 की जीत में भी गोल किया था। इस बीच विलारियाल ने एथलेटिक बिलबाओ पर 2-1 से जीत हासिल करके तीसरे स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। सर्गी काडोर्ना और अल्फॉन ने विलारियाल के लिए पहले हाफ में गोल दागे।

आईपीएल 2026: चेपॉक में 'सुपर किंग्स' का दबदबा बनाम केकेआर की पहली जीत की तलाश

एजेंसी (हि.स.)

चेन्नई

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के रोमांचक सत्र में मंगलवार को चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में एक हाई-वोल्टेज मुकाबला होने जा रहा है। अपनी लय वापस पा चुकी चेन्नई सुपर किंग्स का सामना उस कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा, जो इस सीजन में अब तक अपनी पहली जीत के लिए तरस रही है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सीएसके ने खेल के हर विभाग में अपना लोहा मनवाया। इस जीत के सबसे बड़े नायक संजू सैमसन रहे, जिन्होंने मात्र 56 गेंदों पर नाबाद 115 रन की आतिशी पारी खेलकर यह साबित कर दिया कि वे इस सीजन में सीएसके के सबसे बड़े हथियार हैं। गेंदबाजी में पदार्पण करने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने अपनी अतिरिक्त उछाल से सभी को प्रभावित

किया, जबकि जेमी ओवरटन ने चार विकेट लेकर विपक्षी टीम की कमर तोड़ दी। डेवाल्ड ब्रेविस की वापसी ने टीम के संयोजन को और मजबूती दी है, जिससे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के पास अब गेंदबाजी में अधिक विकल्प मौजूद हैं। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली केकेआर इस समय अंक तालिका में संघर्ष कर रही है। पिछले मैच में लखनऊ के खिलाफ वे जीत के बेहद करीब थे, लेकिन अंतिम क्षणों में मैच हाथ से फिसल गया। टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात कैमरन ग्रीन का गेंदबाजी करना और बल्ले से रन बनाना है। केकेआर को अगर जीत का खाता खोलना है, तो मध्यक्रम में रिंकू सिंह का चलना बेहद जरूरी है।

टीम इस प्रकार हैं

सीएसकेः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजपनीत सिंह, नूर अहमद, अकील हुसैन, प्रशांत वीर, कार्तिक शर्मा, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, रामकृष्ण घोष, मुकेश चौधरी। **केकेआरः** अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, फिन एलन, मथीशा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, ब्लेसिंग मुजाराबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, सार्थक रंजन, कार्तिक त्यागी, कैमरन ग्रीन, सौरभ दुबे, दक्ष कामरा।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

एसजेएफआई के पूर्व अध्यक्ष सबानायकन एआईपीएस कार्यकारी समिति के सदस्य चुने गए

नई दिल्ली। भारतीय खेल पत्रकार महासंघ (एसजेएफआई) के पूर्व अध्यक्ष एस सबानायकन को स्विट्जरलैंड के लुसाने में इंटरनेशनल स्पोर्ट्स प्रेस एसोसिएशन (एआईपीएस) के 88वें सम्मेलन के दौरान इसकी कार्यकारी समिति के लिए चुना गया। सबानायकन वर्तमान में ईस्टर्न क्रॉनिकल के खेल संपादक हैं, जो कोलकाता, गुवाहाटी और सिलचर से प्रकाशित होने वाला एक अंग्रेजी अखबार है। वे एआईपीएस कार्यकारी समिति में चुने जाने वाले पहले भारतीय हैं। एआईपीएस कार्यकारी समिति के सदस्यों का चुनाव रविवार को लुसाने स्थित ओलंपिक संग्रहालय में किया गया। इस समिति का कार्यकाल 2026 से 2030 तक रहेगा। इटली के जियानी मर्लो को अगले चार वर्षों के लिए एआईपीएस का अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने हंगरी की जुजा सिज्टू को हराया। सबानायकन वर्तमान में एआईपीएस एशिया के उपाध्यक्ष हैं, जो इस संस्था की महाद्वीपीय शाखा है। वह कलकत्ता स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स क्लब (सीएसजेसी) के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं और वर्तमान में एसजेएफआई की अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति के अध्यक्ष भी हैं।

आईजीपीएल की टीम प्रतियोगिता में फीनिक्स हैदराबाद ने जीत हासिल की

एजेंसी (हि.स.)

पोर्ट लुई (मॉरीशस)

सचिन बैसोया की अगुवाई वाली फीनिक्स हैदराबाद ने यहां लिएंडर पेस की मेजबानी में आयोजित आईजीपीएल इनविटेशनल 2026 मॉरीशस गोल्फ टूर्नामेंट में टीम प्रतियोगिता में जीत हासिल की। बैसोया ने तीन दिनों में 67-71-67 का स्कोर बनाया। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन से फीनिक्स ने मुंबई अत्री और आरवीआर दिल्ली को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया।

व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले का खिताब फीनिक्स के बैसोया को मिला, जबकि गोल्फकनेक्ट बैंगलोर की तरफ से खेल रहे युवा खिलाड़ी वीर गणपति दूसरे स्थान पर रहे। फीनिक्स ने तीन दिनों में 14 अंडर का स्कोर बनाकर अत्री को पीछे छोड़ा, जिसका स्कोर 13 अंडर रहा। आरवीआर दिल्ली का कुल स्कोर 12 अंडर रहा। फीनिक्स ने इस तरह से 100 अंक, अत्री ने 90 और

फोटोः हि.स.

आरवीआर ने 80 अंक हासिल किए। आईजीपीएल इनविटेशनल के सभी अंकों को सत्र के आखिर में जोड़कर टीम चैंपियन का खिताब दिया जाएगा। फीनिक्स की टीम में बैसोया, राघव चुघ, रणजीत सिंह और अर्जुन भाटी, अत्री की टीम में ओलंपियन उदयन माने, विपुल अमन राज, आदिल बेदी और तुषार पन्नू तथा आरवीआर दिल्ली की टीम में शिव कपूर, चिराग कुमार, आर्यन रूपा आनंद और गौरव घई शामिल थे।

दर्पण विशेष

सामाजिक न्याय के मसीहा और आधुनिक भारत के निमार्ता थे डॉ. बी.आर. आंबेडकर

डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती, जिसे भीम जयंती भी कहा जाता है, भारत के सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक और वैधानिक उत्सवों में से एक है। यह दिन न केवल एक व्यक्ति का जन्मदिन है, बल्कि यह मानवाधिकारों, समानता और न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हर साल 14 अप्रैल को मनाई जाती है। यह दिन भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (1891-1956) की याद में समर्पित है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन जातिवाद के उन्मूलन और दलितों, महिलाओं तथा श्रमिकों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। बाबासाहब को 'भारतीय संविधान का जनक' कहा जाता है। उन्होंने स्वतंत्र भारत के लिए एक ऐसा ढांचा तैयार किया जो धर्मनिरपेक्षता और समावेशी विकास पर आधारित है। 2015 से संयुक्त राष्ट्र में भी इस दिन को मनाया जाने लगा है, जहाँ इसे विश्व स्तर पर 'समानता दिवस' के रूप में पहचान मिली है। यह जयंती हमें शिक्षित होने, जागरूक बनने और अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाने की प्रेरणा देती है। भारत में इस दिन सार्वजनिक अवकाश होता है और चैत्यभूमि (मुंबई) व दीक्षाभूमि (नागपुर) जैसे स्थानों पर लाखों लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने जुटते हैं।

'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो'

शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो का कालजयी नारा देने वाले डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर का जीवन विश्व इतिहास के सबसे प्रेरणादायक अध्यायों में से एक है। 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू (सैन्य छावनी) में जन्मे भीमराव ने जिस सामाजिक भेदभाव और अपमान को बचपन में झेला, उसे ही उन्होंने अपनी शक्ति बनाया और भारत के सामाजिक-राजनीतिक ढांचे को हमेशा के लिए बदल दिया। डॉ. आंबेडकर का जन्म रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई के घर 14वीं संतान के रूप में हुआ था। उनका परिवार मराठी मूल का था और महार जाति से संबंधित था, जिसे उस समय समाज में 'अछूत' माना जाता था। सातारा के सरकारी स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्हें कक्षा के भीतर बैठने की अनुमति नहीं थी। वे अपनी बोरी खुद लेकर जाते थे और फर्श पर अलग बैठते थे। यहाँ तक कि प्यास लगने पर स्कूल का चपरासी उन्हें ऊपर से पानी पिलाता था, क्योंकि उन्हें मटके को छूने का अधिकार नहीं था। उनके शिक्षक कृष्णा महादेव आंबेडकर उनसे बहुत स्नेह करते थे। उनके सुझाव पर ही उन्होंने अपना उपनाम 'सकपाल' से बदलकर 'आंबेडकर' कर लिया।

उच्च शिक्षाः ज्ञान की वैश्विक खोज

बाबा साहेब की प्रतिभा को बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ ने पहचाना और उन्हें उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की। इसके बाद भीमराव ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। कोलंबिया विश्वविद्यालय से उन्होंने अर्थशास्त्र में एम.ए. और पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। उनके शोध का विषय 'नेशनल डिविडेंड ऑफ इंडिया - ए हिस्टोरिकल एंड एनालिटिकल स्टडी' था। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में उन्होंने 'डॉक्टर ऑफ साइंस' की उपाधि प्राप्त की और बैरिस्टर-एट-लॉ बने। वे उस दौर के सबसे अधिक शिक्षित भारतीयों में से एक थे। बहुत कम लोग जानते हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक की वैचारिक आधारशिला डॉ. आंबेडकर की पुस्तक 'द प्रॉब्लम ऑफ द रूपी - इट्स ओरिजिन एंड इट्स सॉल्यूशन' पर रखी गई थी। उन्होंने हिल्टन यंग कमीशन के सामने गवाही दी थी, जिसके आधार पर केंद्रीय बैंक की स्थापना हुई। भारत लौटने पर उन्होंने वंचितों के मानवाधिकारों के लिए कई ऐतिहासिक आंदोलन शुरू किए। **महाड़ सत्याग्रह (1927):** सार्वजनिक तालाब (चवदार तालाब) से पानी पीने के अधिकार के लिए उन्होंने हजारों सत्याग्रहियों का नेतृत्व किया। यह केवल पानी का नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा का आंदोलन था। **मनुस्मृति दहनः** सामाजिक असमानता के प्रतीक के रूप में उन्होंने मनुस्मृति का दहन किया। **कालाराम मंदिर सत्याग्रहः** दलितों को मंदिर में प्रवेश के अधिकार दिलाने के लिए उन्होंने नासिक में लंबा संघर्ष किया।

पूना पैक्ट और राजनीतिक नेतृत्व

1930-32 के दौरान लंदन में आयोजित तीनों गोलमेज सम्मेलनों में बाबा साहेब ने अछूतों के प्रतिनिधि के रूप में हिस्सा लिया। उन्होंने दलितों के लिए 'पृथक निर्वाचिका' की मांग की, जिसे ब्रिटिश सरकार ने स्वीकार कर लिया। हालांकि, इसके विरोध में महात्मा गांधी यरवदा जेल में आमरण अनशन पर बैठ गए। अंततः 24 सितंबर 1932 को गांधीजी और आंबेडकर के बीच 'पूना पैक्ट' हुआ, जिसके तहत आरक्षित सीटों की व्यवस्था की गई। 15 अगस्त 1947 को भारत की आजादी के बाद, उन्हें स्वतंत्र भारत का प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री बनाया गया। 29 अगस्त 1947 को वे संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष चुने गए। **संविधान की आत्माः** बाबा साहेब ने दो साल, 11 महीने और 18 दिन की कड़ी मेहनत के बाद दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान तैयार किया। उन्होंने अनुच्छेद 32 (संवैधानिक उपचारों का अधिकार) को 'संविधान का हृदय और आत्मा' कहा। **महिलाओं के अधिकारः** उन्होंने 'हिंदू कोड बिल' के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति, गोद लेने और विवाह विच्छेद के अधिकार दिलाने की वकालत की। जब संसद में इस पर असहमति हुई, तो उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया, जो उनके सिद्धांतों के प्रति अडिगता को दशार्ता है।

श्रम सुधारों के जनक

आज भारत में जो श्रमिक अधिकार हमें प्राप्त हैं, उनमें से अधिकांश बाबा साहेब की देन हैं। काम के घंटों को 12 से घटाकर 8 घंटे करना। न्यूनतम मजदूरी, चिकित्सा बीमा और महंगाई भत्ते की शुरूआत। महिला श्रमिकों के लिए मातृत्व लाभ की व्यवस्था। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में, बाबा साहेब ने हिंदू धर्म की कुरीतियों से क्षुब्ध होकर धर्म परिवर्तन का निर्णय लिया। उन्होंने कहा था, मैं हिंदू पैदा तो हुआ था, लेकिन हिंदू मरूंगा नहीं। 14 अक्तूबर 1956 को नागपुर की दीक्षा भूमि पर उन्होंने अपने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपना लिया। 6 दिसंबर 1956 को दिल्ली में उनका महापरिनिर्वाण हुआ। उनकी अंत्येष्टि मुंबई की चैत्य भूमि पर की गई, जो आज करोड़ों लोगों के लिए तीर्थ स्थल है।

डॉ. आंबेडकर का वैश्विक सम्मान

1990ः मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न'। कोलंबिया विश्वविद्यालयः उन्हें 'विश्व का सबसे बड़ा विद्वान' घोषित किया। प्रतीकः लंदन स्थित उनके निवास को अब संग्रहालय और स्मारक बनाया गया है। लेखनः उनके लेखन और भाषणों को महाराष्ट्र सरकार ने 22 से अधिक खंडों में प्रकाशित किया है। डॉ. आंबेडकर केवल एक समुदाय के नेता नहीं थे, बल्कि वे पूरे राष्ट्र के नायक थे। उनका जीवन सिखाता है कि शिक्षा और दृढ़ संकल्प के बल पर दुनिया की सबसे कठिन परिस्थितियों को भी बदला जा सकता है। आज जब भारत अपनी आजादी का अमृत काल मना रहा है, बाबा साहेब के विचार 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र में जीवित हैं।

हरियाणा में नगर निकाय और पंचायत चुनावों का ऐलान, 10 मई को होगा मतदान

संबंधित क्षेत्रों में आचार संहिता लागू , नगर निगमों, नगर पालिकाओं और पंचायतों की 528 सीटों पर उपचुनाव की घोषणा

भूपेंद्र शर्मा
पंचकूला

हरियाणा राज्य चुनाव आयुक्त श्री देविंदर सिंह कल्याण ने आज पंचकूला स्थित राज्य चुनाव आयोग के कार्यालय में नगर निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी, जिसके साथ ही संबंधित क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है। इस घोषणा के अनुसार, अंबाला, पंचकूला और सोनीपत नगर निगमों के महापौरों और पार्षदों के साथ-साथ रेवाड़ी नगर परिषद तथा सांपला, धारूहेड़ा एवं उकलाना नगर पालिकाओं के अध्यक्षों व सभी वार्डों के सदस्यों के लिए आम चुनाव कराए जाएंगे। साथ ही, टोहाना, झज्जर, राजौंद, तरावड़ी, कनीना और सढौरा की नगर परिषदों एवं नगर पालिकाओं के विभिन्न वार्डों की 6 रिक्त सीटों पर सदस्यों के लिए उपचुनाव भी संपन्न होंगे।

पंचायती राज संस्थाओं के तहत हिसार के ग्राम पंचायत मंडी आदमपुर और जवाहर नगर तथा कैथल के गोविंदपुरा और पोलड़ में आम चुनाव होंगे, जबकि प्रदेश की अन्य 528 खाली सीटों (पंच, सरपंच, पंचायत समिति और जिला परिषद) पर उपचुनाव की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। चुनाव की इस घोषणा के साथ ही संबंधित नगर निकाय और पंचायत क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता 13 अप्रैल, 2026 से तुरंत प्रभावी हो गई है, जिसके अंतर्गत चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण पर भी रोक लगा दी गई है।

चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन के लिए रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा नोटिस 15 अप्रैल, 2026 को जारी किया जाएगा और उम्मीदवार 21 अप्रैल से 25 अप्रैल, 2026 के बीच सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 27 अप्रैल को की जाएगी और उम्मीदवार 28 अप्रैल, 2026 को दोपहर 3:00 बजे तक अपना नाम वापस ले सकते हैं, जिसके तुरंत बाद उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे।

इन सभी पदों के लिए मतदान 10 मई, 2026 को सुबह 8:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। नगर निकायों के मतों की गणना 13 मई को सुबह 8:00 बजे से निर्धारित केंद्रों पर शुरू होगी, जबकि पंचायती राज संस्थाओं के लिए मतगणना मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद या आवश्यकतानुसार 12 मई को पुनर्मतदान की स्थिति में संपन्न की जाएगी। शैक्षणिक योग्यता के मानदंडों को स्पष्ट करते हुए आयोग ने बताया कि नगर निगम महापौर और नगर परिषद/पालिका अध्यक्ष पद के लिए अनारक्षित और पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों का 10वीं पास होना अनिवार्य है, जबकि महिलाओं और अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए यह योग्यता 8वीं पास रखी गई है।

पंचायती राज संस्थाओं में पंच, सरपंच और सदस्य पद हेतु सामान्य श्रेणी के लिए 10वीं पास होना आवश्यक है, जबकि महिलाओं और अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 8वीं पास की योग्यता तय की गई है। विशेष रूप से, अनुसूचित जाति की उन महिला उम्मीदवारों के लिए, जो पंच (सदस्य ग्राम पंचायत), नगर परिषद/पालिका एवं निगम की सदस्य का चुनाव लड़ना चाहती हैं, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 5वीं पास निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त,चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए खर्च की सीमा भी तय की गई है, जिसमें नगर निगम महापौर के लिए अधिकतम 30 लाख रुपये और सदस्यों के लिए 7.50 लाख रुपये निर्धारित हैं। पंचायती राज में सरपंच के लिए यह सीमा 2 लाख रुपये और जिला परिषद सदस्य के लिए 6 लाख रुपये रखी गई है। सभी उम्मीदवारों को चुनाव परिणाम के 30 दिनों के भीतर अपने खर्च का ब्यौरा जमा करना होगा, अन्यथा उन्हें आगामी चुनावों के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को अपने मामलों की जानकारी दो प्रमुख समाचार पत्रों और स्थानीय टीवी चैनलों पर कम से कम तीन अलग-अलग तिथियों पर प्रसारित करनी होगी। चुनाव में ईवीएम का उपयोग किया जाएगा, जिसमें महापौर और अध्यक्ष के लिए गुलाबी रंग का मतपत्र तथा सदस्यों के लिए सफेद रंग का मतपत्र होगा, जिस पर उम्मीदवार की फोटो भी अंकित होगी। मतदाताओं को 'नोटा' का विकल्प भी दिया जाएगा। आयोग ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए भारी पुलिस बल और वरिष्ठ अधिकारियों को ऑब्जर्वर के रूप में तैनात करने का निर्णय लिया है तथा प्रदेश के मतदाताओं से बिना किसी भेदभाव के भारी संख्या में मतदान करने की अपील की है। मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोग ने निर्देश दिए हैं कि इस बार मतदाता पर्चियां (वोटर स्लिप) जिला प्रशासन द्वारा संबंधित मतदाताओं के घर-घर पहुंचाकर वितरित की जाएंगी। यह वितरण मतदान तिथि से कम से कम तीन दिन पूर्व सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि प्रत्येक मतदाता को अपने मतदान केंद्र और बूथ की स्पष्ट जानकारी समय रहते मिल सके तथा वह मतदान के दिन निर्धारित स्थल पर पहुंचकर सुगमता से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

माय भारत बजट क्वेस्ट 2026 - यूथ डायलॉग का चंडीगढ़ में उत्साहपूर्ण समापन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

माय भारत बजट क्वेस्ट 2026 झ यूथ डायलॉग का अंतिम दिवस पंजाब विश्वविद्यालय कन्वेंशन सेंटर (न्यू ऑडिटोरियम), चंडीगढ़ में उत्साहपूर्ण वातावरण के साथ संपन्न हुआ। यह एक जीवंत और विचारोत्तेजक राष्ट्रीय स्तर की पहल का सफल समापन रहा।

दूसरे दिन राष्ट्रीय महत्व के प्रमुख विषयों पर सारगर्भित एवं विचारोत्तेजक पैनल चचाएं आयोजित की गईं, जिनमें मानव पूंजीः कौशल विकास, शिक्षा एवं रोजगार में निवेश तथा महिला-नेतृत्व वाला समावेशी विकास शामिल थे। इन चचाओं ने युवाओं को अपने विचार साझा करने, संवाद करने और एक प्रगतिशील एवं समावेशी भारत के निर्माण में योगदान देने का मंच प्रदान किया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक विविधता की झलक भी देखने को मिली। भांगड़ा, मणिपुरी नृत्य, लुड्डी नृत्य तथा कुमाऊं नृत्य जैसी प्रस्तुतियों ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जीवंत चित्र प्रस्तुत किया और एकता में विविधता की भावना को दशार्या।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का प्रेरणादायक संदेश रहा। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि युवा भविष्य के निमार्ता हैं और उनके विचार, ऊर्जा तथा सहभागिता भारत की विकास यात्रा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस प्रकार के संवाद युवाओं की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें नीति-निर्माण और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं।

माननीय युवा कार्य एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए विकसित भारत के निर्माण में माय भारत की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को शासन प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री रंजना चौहान, आईपीएस, उप महानिरीक्षक, राज्य मानवाधिकार आयोग, हिमाचल प्रदेश रहीं। उन्होंने चंडीगढ़, पंजाब और हिमाचल प्रदेश से आए 768 माय भारत प्रतिभागियों को प्रेरित किया, जिन्हें कठोर बहु-स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुना गया था।

यह कार्यक्रम देशभर में 17 स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया, जिसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की भागीदारी रही, जो इस पहल के राष्ट्रीय स्वरूप को दशार्ता है। माय भारत बजट क्वेस्ट 2026 युवाओं की भागीदारी को सशक्त बनाने, उनके विचारों को मंच प्रदान करने और एक सशक्त, समावेशी एवं प्रगतिशील भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ है।

डिजिटल जनगणना 2027: पंचकूला में तैयारियां तेज

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

नगर निगम के प्रमुख जनगणना अधिकारी सह आयुक्त श्री विनय कुमार ने बताया कि हरियाणा में जनगणना 2027 का कार्य प्रारंभ हो चुका है। नगर निगम क्षेत्र में जनगणना से संबंधित सभी तैयारियाँ सुचारु रूप से प्रगति पर हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित समयानुसार संचालित किए जा रहे हैं और सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण जिम्मेदारी, दक्षता एवं समर्पण के साथ इस राष्ट्रीय कार्य को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। श्री विनय कुमार आज नगर निगम कार्यालय, सेक्टर-14 में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जिला जनगणना समन्वयक मधु यादव भी उपस्थित थी।

उन्होंने बताया कि यह देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना होगी। आधुनिक तकनीक, डिजिटल उपकरणों तथा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के उपयोग से इस बार जनगणना प्रक्रिया को अधिक सटीक, पारदर्शी, समयबद्ध एवं प्रभावी बनाया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि जनगणना एक व्यापक, वैज्ञानिक एवं सुव्यवस्थित प्रक्रिया है, जिसे दो प्रमुख चरणों में संपन्न किया जाता है। पहला चरण ह्हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग सेंससह्ल 1 मई से प्रारंभ होगा। इस चरण के अंतर्गत प्रत्येक आवासीय इकाई का विवरण, घर की संरचना, उपलब्ध सुविधाएँ जैसे पेयजल, शौचालय, बिजली आदि तथा अन्य आधारभूत जानकारियाँ एकत्र की जाएंगी। यह चरण अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी के आधार पर आगे की जनसंख्या गणना का ढांचा तैयार किया जाता है।

दूसरा चरण जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। इस चरण में प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित आवश्यक जानकारी जैसे आयु, लिंग, शिक्षा, व्यवसाय आदि का संकलन किया जाएगा। यह डेटा शासन एवं प्रशासन को साक्ष्य-आधारित नीतियों, योजनाओं एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों के निर्माण में महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है।

जनगणना को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए एक सुदृढ़ एवं बहु-स्तरीय प्रशिक्षण तंत्र विकसित किया गया है। इस प्रक्रिया में सर्वप्रथम मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया जाता है। ये मास्टर ट्रेनर्स आगे फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षण देते हैं और फील्ड ट्रेनर्स द्वारा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया जाता है। यह चरणबद्ध प्रशिक्षण प्रणाली सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक स्तर पर कार्यरत कार्मिकों को उनके दायित्वों की स्पष्ट समझ हो तथा वे आधुनिक डिजिटल उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें। उन्होंने बताया कि नगर निगम में कुल 457 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स निर्धारित किए गए हैं। प्रशिक्षण व्यवस्था के अंतर्गत 2 मास्टर ट्रेनर्स द्वारा 8 फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया जा चुका है। ये फील्ड ट्रेनर्स आगे प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए निगम क्षेत्र में कुल 528 प्रगणक एवं पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं, जो जनगणना के विभिन्न चरणों में अपनी जिम्मेदारियाँ निभाएंगे।

इस बार जनगणना 2027 में स्व-गणना की सुविधा एक महत्वपूर्ण डिजिटल नवाचार के रूप में प्रस्तुत की गई है। इसके माध्यम से नागरिक बिना किसी मध्यस्थ के स्वयं अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। स्व-गणना के दौरान दर्ज की गई सभी जानकारी पूर्णतः सुरक्षित एन्क्रिप्टेड सिस्टम में संग्रहित की जाती है। किसी भी व्यक्तिगत जानकारी को सार्वजनिक नहीं किया जाता और इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय एवं नीतिगत उद्देश्यों के लिए ही किया जाता है।

खेलें, सीखें, बढ़ें: पोषण पखवाड़ा ने जगाई आनंदमयी सीख और पोषण जागरूकता

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

चल रहे पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत यू.टी. चंडीगढ़ में पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (एउउए) को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न जागरूकता एवं गतिविधि-आधारित कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। मौली कॉलोनी सर्किल में एउउए थीम पर आधारित खेल-आधारित मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें छोटे बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आनंदमयी एवं सहभागितापूर्ण सीख का अनुभव किया। वहीं, बुरैल सर्किल में खेल-आधारित सीख गतिविधियों पर सामुदायिक चर्चा आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य समुदाय के सदस्यों को प्रारंभिक बाल्यावस्था में उत्तेजना एवं खेल के माध्यम से सीखने के महत्व के प्रति जागरूक करना था। इसी क्रम में, धनास सर्किल में 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए खेल-आधारित एउउए गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान हैंड पेंटिंग, लीफ पेंटिंग, थ्रेड पेंटिंग, ड्राइंग, वर्णमाला सीखना एवं फलों की रंगाई जैसी रचनात्मक एवं रोचक गतिविधियां आयोजित की गईं। इन प्रमुख आयोजनों के अतिरिक्त, पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न अन्य गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

पीजीआईटेलीमेडिसिन ने पूरे भारत में डिजिटल स्वास्थ्य सेवा और पहुंच को आगे बढ़ाने के 21 साल पूरे किए

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआई चंडीगढ़ के टेलीमेडिसिन विभाग ने 13 अप्रैल 2026 को ऑनलाइन माध्यम से अपना 21वां स्थापना दिवस सफलतापूर्वक मनाया। इस मौके पर भारत में टेलीहेल्थ सेवाओं, शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने में दो दशकों से अधिक की बेहतरीन उपलब्धियों को याद किया गया। इस मौके पर शुरूआत में बोलते हुए, प्रो. विवेक लाल, निदेशक, पीजीआईने कहा, पिछले दो दशकों में, टेलीमेडिसिन सबको समान स्वास्थ्य सेवा देने का एक शक्तिशाली माध्यम बनकर उभरा है। इसने दूरियों को मिटाया है और उन लोगों तक भी पहुंच बनाई है, जिन तक पहले पहुंचना मुश्किल था। पीजीआईके टेलीमेडिसिन विभाग ने नवाचार, क्षमता निर्माण और मरीजों पर केंद्रित डिजिटल समाधानों के जरिए इस बदलाव में एक अहम भूमिका निभाई है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, एक मजबूत, सुरक्षित और सबको साथ लेकर चलने वाला टेलीहेल्थ सिस्टम बनाना देश के हर कोने तक अच्छी स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने के लिए बहुत जरूरी होगा। इसके बाद पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह हुआ, जो ज्ञान और नवाचार की खोज का प्रतीक है।

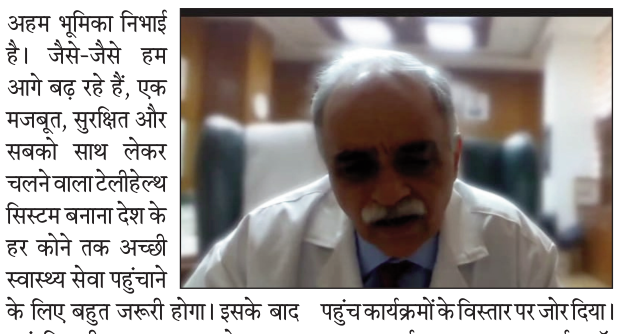

प्रो. बिमान सैकिया, प्रमुख, टेलीमेडिसिन विभाग, ने विभाग की प्रगति रिपोर्ट पेश की, जिसमें पिछले एक साल की मुख्य उपलब्धियों का ज़िक्र किया गया था। उन्होंने टेली-परामर्श सेवाओं में हुई प्रगति, ई-लर्निंग मॉड्यूल के विकास, मिलकर किए गए प्रोजेक्ट्स और राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य पहलों के अनुरूप पहुंच कार्यक्रमों के विस्तार पर जोर दिया।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण डॉ. का मुख्य भाषण था। उमा नांबियार, वाइस प्रेसिडेंट और मेडिकल स्कूल फाउंडेशन, बेंगलुरु, ने इस विषय पर बात कीः टेलीमेडिसिनः एक इकोसिस्टम दृष्टिकोण की आवश्यकता। उन्होंने एक टिकाऊ और विस्तार योग्य टेलीमेडिसिन इकोसिस्टम बनाने के लिए टेक्नोलॉजी, नीतिगत ढांचों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और मरीजों की भागीदारी को एकीकृत करने की आवश्यकता पर विस्तार से बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मजबूत संस्थागत सहयोग, इंटरऑपरेबिलिटी मानकों, प्रशिक्षण और सामुदायिक भागीदारी के बिना, केवल तकनीकी हस्तक्षेप ही पर्याप्त नहीं हैं। उनके संबोधन ने सभी को समान स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने में टेलीमेडिसिन की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए एक सहयोगात्मक, बहु-हितधारक दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का समापन डॉ. अमित अग्रवाल, प्रोजेक्ट लीड द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने इस कार्यक्रम की सफलता में अपने बहुमूल्य योगदान के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों, वक्ताओं, आयोजकों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस समारोह ने डिजिटल स्वास्थ्य और टेलीमेडिसिन के लगातार बदलते परिदृश्य में नवाचार, सहयोग और नेतृत्व के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया।

संक्षिप्त-समाचार

पाइप्ड नेचुरल गैस नेटवर्क का विस्तार एवं परिवर्तन हेतु परामर्श किया गया

चंडीगढ़। चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा शहर में पाइप्ड नेचुरल गैस अवसंरचना के निरंतर विस्तार की जानकारी दी जाती है, जिससे नागरिकों को घरेलू रसोई गैस हेतु अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक एवं दक्ष विकल्प उपलब्ध हो सके। उपलब्धता की स्थिति में पूर्ण रूप से उपलब्ध सेक्टरों में सेक्टर 32 से 38, 40, 42 से 44, 46, 48 से 51 शामिल हैं। जबकि आंशिक रूप से उपलब्ध क्षेत्रों में सेक्टर 10, 11, 17, 22, 26, 28, 30, 41, 47, मनीमाजरा एवं इंडस्ट्रियल एरिया फेज-एक और दो शामिल हैं। पूर्ण रूप से कवर किए गए सेक्टरों के निवासियों को यथाशीघ्र अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जबकि आंशिक रूप से कवर क्षेत्रों के निवासी कनेक्शन की उपलब्धता हेतु सेवा प्रदाता से संपर्क कर सकते हैं। अतः जिन सेक्टरों में पूर्ण रूप से उपलब्ध है, वहां के निवासी निर्धारित अवधि के पश्चात किसी भी असुविधा से बचने हेतु यथाशीघ्र पीएनपी में परिवर्तन की प्रक्रिया आरंभ करें।

सीएससीए ने रामगढ़िया सभा व डब्ल्यूसीडब्ल्यूसीएफ के सहयोग से मनाई बैसाखी और खालसा साजना दिवस

चंडीगढ़। रामगढ़िया भवन, चण्डीगढ़ में बैसाखी और खालसा साजना दिवस का पावन पर्व बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य व्यक्तियों, शुभचिंतकों वरिष्ठ नागरिकों एवं बच्चों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम रामगढ़िया सभा, चण्डीगढ़, चण्डीगढ़ सीनियर सिटीजन एसोसिएशन (सीएससीए) और वूमेन एवं चाइल्ड वेलफेयर फाउंडेशन (डब्ल्यूसीडब्ल्यूसीएफ) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर स्थानीय सांसद मनीष तिवारी और नामी बिजनेसमैन तथा सरबत दा भला ट्रस्ट के चेयरमैन एवं समाजसेवी डॉ. एसपी ओबरॉय उपस्थित रहे। उन्होंने आयोजकों के सांस्कृतिक परंपराओं को संजोने और समाज सेवा के प्रयासों की सराहना की। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में चंडीगढ़ वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन के चेयरमेन डॉक्टर बी.सी.गुप्ता (भूतपूर्व आईएएस अधिकारी), सीएससीए के प्रधान सुभाष अग्रवाल तथा महिला एवं बाल कल्याण फाउंडेशन के महासचिव कमलजीत सिंह उपस्थित थे।

श्री ब्राह्मण सभा द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर तीन दिवसीय समारोह का होगा आयोजन

चंडीगढ़। श्री ब्राह्मण सभा, चण्डीगढ़ की कार्यकारिणी की बैठक भगवान परशुराम भवन सैक्टर 37 सी चण्डीगढ़ में हुई जिसकी अध्यक्षता करते हुए प्रधान यशपाल तिवारी ने बताया कि 19 अप्रैल को भगवान परशुराम जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। संपूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा अनुसार परशुराम भवन महिला संकीर्तन मंडली द्वारा भजन कीर्तन की श्रृंखला का शुभारंभ हो चुका है जो 16 अप्रैल तक निरंतर चलेगा। 17 अप्रैल दिन शुक्रवार को श्री गणेश पूजन एवं हवन यज्ञ से त्रिदिवसीय कार्यक्रम प्रारंभ होगा। तदोपरांत महिला संकीर्तन मंडली द्वारा श्री सुंदरकांड जी का पाठ और भजन कीर्तन किया जाएगा। सनातन हिन्दू नववर्ष शक संवत 2083 के तिथिपत्र (कैलेंडर) का विमोचन महापौर सौरभ जोशी जी के करकमलों द्वारा किया जाएगा। इसी कड़ी में 18 अप्रैल, दिन शनिवार दोपहर 4 बजे भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी जिसे नगर पालिका के मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा झंडी दिखा कर प्रारंभ करेंगे।

यादों की बारात म्यूजिकल कंसर्ट आज टैगोर में

चंडीगढ़। जेवीएएम म्यूजिकल ग्रुप द्वारा आगामी 14 अप्रैल को यादों की बारात म्यूजिकल कंसर्ट का आयोजन टैगोर थिएटर में किया जा रहा है जिसमें सेलेब्रटी अर्जुन फिरोज खान मुख्य अतिथि होंगे। आयोजकजनों में शामिल परम चंदेल, ज्योति कंसल, आदर्श गोयल व प्रेम सागर गुप्ता ने इस सम्बन्ध में चण्डीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में उक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में ट्राईसिटी के बेहतरीन गायक कलाकार, जिनमें दुपांशु नैंसी, तरुणदीप, अनन्या, नन्द किशोर, नीना भाटिया, राहुल सोनी व आयोजनकर्ता भी शामिल हैं, हिन्दी फिल्मों के पुराने गीतों का जादू जगायेंगे।

यह इनोवेशन दुनिया भर में पुराने दर्द के इलाज के तरीके को बदलने की क्षमता रखता है: प्रो. विवेक लाल

पीजीआईने पुराने दर्द के लिए दुनिया की पहली NOF PET-CT गाइडेड सटीक थेरेपी शुरू की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआईचंडीगढ़ ने फ्लोरीन-18 सोडियम फ्लोराइड PET-CT गाइडेड स्टेरॉयड इंजेक्शन का इस्तेमाल करके पुराने मस्कुलोस्केलेटल दर्द के सटीक इलाज के लिए दुनिया की पहली तकनीक पेश करके एक अहम ग्लोबल मील का पत्थर हासिल किया है। इस जबरदस्त इनोवेशन की तारीफ करते हुए, प्रो. विवेक लाल, डायरेक्टर, PGIMER, ने कहा, यह शानदार तरक्की पीजीआईकी मरीजों पर केंद्रित इनोवेशन और क्लिनिकल बेहतरीन काम के प्रति लगातार कमिटमेंट को दिखाती है। सबसे नई फंक्शनल इमेजिंग को टारगेटेड थेरेपी के साथ मिलाकर, यह तकनीक दुनिया भर में पुराने दर्द के इलाज के तरीके को बदलने की क्षमता रखती है, साथ ही यह मरीजों के लिए आसानी से उपलब्ध और सस्ती भी बनी रहेगी।

न्यूक्लियर मेडिसिन डिपार्टमेंट द्वारा ऑर्थोपेडिक्स डिपार्टमेंट के साथ मिलकर एक मीडिया कॉन्फ्रेंस के दौरान इस बात का ऐलान किया गया। डॉ. अनीश भट्टाचार्य, प्रोफेसर और हेड, न्यूक्लियर मेडिसिन डिपार्टमेंट, ने इस बड़ी कामयाबी के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, पारंपरिक इमेजिंग के उलट, NOF PET-CT मेटाबॉलिक रूप से एक्टिव बीमारी वाली जगहों की पहचान करता है, जिससे हम दर्द की असली वजह का ठीक-ठीक पता लगा पाते हैं। इससे यह पक्का होता है कि इलाज ठीक वहीं किया जाए जहाँ इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है, जिससे इलाज के नतीजे काफी बेहतर होते हैं।

इस इनोवेशन के पीछे काम करने वाली मल्टीडिसिप्लिनरी टीम में डॉ. अनीश भट्टाचार्य (प्रोफेसर और हेड, न्यूक्लियर मेडिसिन), डॉ. सर्वदीप सिंह धट्ट (प्रोफेसर, ऑर्थोपेडिक्स), डॉ. बबीता घई (प्रोफेसर, एनेस्थीसिया और इंटेंसिव केयर), डॉ. राजेंदर कुमार (एडिशनल प्रोफेसर, न्यूक्लियर मेडिसिन), डॉ. विशाल कुमार (एडिशनल प्रोफेसर, ऑर्थोपेडिक्स), डॉ. हरमनदीप सिंह (एडिशनल प्रोफेसर, न्यूक्लियर मेडिसिन), और डॉ. रजा अब्बास महदी (सीनियर रेजिडेंट, न्यूक्लियर मेडिसिन) शामिल हैं, जो सटीक दर्द थेरेपी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

डॉ. ऑर्थोपेडिक्स विभाग के प्रोफेसर सर्वदीप सिंह धट्ट ने इलाज के दायरे के बारे में बताते हुए कहा, यह नया तरीका दर्द के इलाज में एक लंबे समय से चली आ रही चुनौती को हल करता है—दर्द के असली स्रोत की सटीक पहचान करना। कमर के जोड़ों की बीमारी जैसी पुरानी बीमारियाँ अक्सर पारंपरिक इमेजिंग तरीकों की सीमाओं के कारण ठीक से इलाज नहीं हो पातीं।

पीजीआईके ऑर्थोपेडिक्स विभाग के डॉ. विशाल कुमार ने इस तकनीक की शुरूआत के बारे में बात करते हुए कहा, यह सब एक बहस से शुरू हुआ कि, बेहतरीन विशेषज्ञता होने के बावजूद, हम अपने मरीजों के लिए काफी कुछ नहीं कर पा रहे थे। इसी आत्म-मंथन से इस नए तरीके का विकास हुआ। न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. राजेंदर कुमार ने विस्तार से बताया, इस तकनीक में NOF PET-CT का इस्तेमाल करके दर्द पैदा करने वाली सक्रिय जगह की पहचान की जाती है, जिसके बाद रियल-टाइम PET-CT की मदद से उस जगह पर सीधे स्टेरॉयड का इंजेक्शन लगाया जाता है; इसमें रोबोटिक सहायता भी ली जाती है ताकि सटीक परिणाम मिल सकें।

पीजीआईके क्लिनिकल नतीजों से पता चलता है कि लगभग 84% मरीजों को तीन महीने के अंदर दर्द से काफी राहत मिली, जो पारंपरिक तरीकों के मुकाबले एक बड़ी उपलब्धि है। खास बात यह है कि यह प्रक्रिया सुरक्षित पाई गई है, और इसमें कोई बड़ी जटिलता सामने नहीं आई है, डॉ. राजेंदर कुमार ने आगे कहा।

किफायती बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, इस प्रक्रिया की लागत लगभग 1,000 है, जिसमें इस्तेमाल होने वाली चीजों का खर्च लगभग 500 है, जिससे यह बड़ी संख्या में मरीजों की पहुँच में आ गई है। अभी अपॉइंटमेंट रेफरल मिलने के 1-2 हफ़्ते के अंदर मिल जाते हैं। यह नया तरीका सटीक-निर्देशित, व्यक्तिगत दर्द चिकित्सा की दिशा में एक बड़ा बदलाव है, जो उन मरीजों को नई उम्मीद देता है जो मांसपेशियों और हड्डियों के पुराने दर्द से पीड़ित हैं और जिन पर पारंपरिक इलाज का कोई असर नहीं हुआ है।